Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Questions has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

MAT

मत्ती 1:1, मत्ती 1:16, मत्ती 1:18, मत्ती 1:19, मत्ती 1:19 (#2), मत्ती 1:20, मत्ती 1:21, मत्ती 1:23, मत्ती 1:25, मत्ती 2:1, मत्ती 2:2, मत्ती 2:2 (#2), मत्ती 2:3, मत्ती 2:5–6, मत्ती 2:9, मत्ती 2:11, मत्ती 2:11 (#2), मत्ती 2:12, मत्ती 2:13, मत्ती 2:15, मत्ती 2:16, मत्ती 2:19–20, मत्ती 2:22–23, मत्ती 2:23, मत्ती 3:2, मत्ती 3:3, मत्ती 3:6, मत्ती 3:8, मत्ती 3:9, मत्ती 3:10, मत्ती 3:11, मत्ती 3:15, मत्ती 3:16, मत्ती 3:17, मत्ती 4:1, मत्ती 4:2, मत्ती 4:3, मत्ती 4:4, मत्ती 4:5–6, मत्ती 4:7, मत्ती 4:8–9, मत्ती 4:10, मत्ती 4:15–16, मत्ती 4:17, मत्ती 4:18, मत्ती 4:19, मत्ती 4:21, मत्ती 4:23, मत्ती 4:24, मत्ती 4:25, मत्ती 5:3, मत्ती 5:4, मत्ती 5:5, मत्ती 5:6, मत्ती 5:11–12, मत्ती 5:15–16, मत्ती 5:17, मत्ती 5:19, मत्ती 5:21–22, मत्ती 5:23–24, मत्ती 5:25, मत्ती 5:27–28, मत्ती 5:29–30, मत्ती 5:32, मत्ती 5:32 (#2), मत्ती 5:37, मत्ती 5:38–39, मत्ती 5:43–44, मत्ती 5:46–47, मत्ती 6:2, मत्ती 6:3–4, मत्ती 6:5, मत्ती 6:6, मत्ती 6:7–8, मत्ती 6:10, मत्ती 6:15, मत्ती 6:16–18, मत्ती 6:19–20, मत्ती 6:21, मत्ती 6:24, मत्ती 6:25–26, मत्ती 6:27, मत्ती 6:33, मत्ती 7:3–5, मत्ती 7:6, मत्ती 7:8, मत्ती 7:11, मत्ती 7:12, मत्ती 7:13, मत्ती 7:14, मत्ती 7:15–16, मत्ती 7:21, मत्ती 7:22–23, मत्ती 7:24, मत्ती 7:26, मत्ती 7:29, मत्ती 8:4, मत्ती 8:7, मत्ती 8:8, मत्ती 8:10, मत्ती 8:11, मत्ती 8:12, मत्ती 8:14–15, मत्ती 8:17, मत्ती 8:20, मत्ती 8:21–22, मत्ती 8:24, मत्ती 8:26, मत्ती 8:27, मत्ती 8:28, मत्ती 8:29, मत्ती 8:32, मत्ती 8:34, मत्ती 9:3–5, मत्ती 9:5–6, मत्ती 9:8, मत्ती 9:9, मत्ती 9:10, मत्ती 9:13, मत्ती 9:15, मत्ती 9:15 (#2), मत्ती 9:20–21, मत्ती 9:22, मत्ती 9:24, मत्ती 9:26, मत्ती 9:27, मत्ती 9:29, मत्ती 9:34, मत्ती 9:36, मत्ती 9:38, मत्ती 10:1, मत्ती 10:4, मत्ती 10:6, मत्ती 10:9–10, मत्ती 10:11, मत्ती 10:14–15, मत्ती 10:17–18, मत्ती 10:20, मत्ती 10:22, मत्ती 10:24–25, मत्ती 10:28, मत्ती 10:28 (#2), मत्ती 10:32, मत्ती 10:33, मत्ती 10:34–36, मत्ती 10:39, मत्ती 10:42, मत्ती 11:1, मत्ती 11:3, मत्ती 11:5, मत्ती 11:6, मत्ती 11:9–10, मत्ती 11:14, मत्ती 11:18, मत्ती 11:19, मत्ती 11:20, मत्ती 11:25, मत्ती 11:25 (#2), मत्ती 11:27, मत्ती 11:28, मत्ती 12:2, मत्ती 12:6, मत्ती 12:8, मत्ती 12:10, मत्ती 12:12, मत्ती 12:14, मत्ती 12:18, मत्ती 12:19–20, मत्ती 12:26, मत्ती 12:28, मत्ती 12:31, मत्ती 12:33, मत्ती 12:37, मत्ती 12:39–40, मत्ती 12:41, मत्ती 12:41 (#2), मत्ती 12:42, मत्ती 12:43–45, मत्ती 12:48–50, मत्ती 13:4, मत्ती 13:5–6, मत्ती 13:7, मत्ती 13:8, मत्ती 13:14, मत्ती 13:15, मत्ती 13:19, मत्ती 13:20–21, मत्ती 13:22, मत्ती 13:23, मत्ती 13:28, मत्ती 13:30, मत्ती 13:31–32, मत्ती 13:33, मत्ती 13:37–39, मत्ती 13:39, मत्ती 13:42, मत्ती 13:43, मत्ती 13:44, मत्ती 13:45–46, मत्ती 13:47–48, मत्ती 13:54, मत्ती 13:57, मत्ती 13:58, मत्ती 14:2, मत्ती 14:4, मत्ती 14:5, मत्ती 14:7, मत्ती 14:8, मत्ती 14:9, मत्ती 14:14, मत्ती 14:16, मत्ती 14:19, मत्ती 14:20–21, मत्ती 14:23, मत्ती 14:24, मत्ती 14:25, मत्ती 14:27, मत्ती 14:29, मत्ती 14:30, मत्ती 14:32, मत्ती 14:33, मत्ती 14:35, मत्ती 15:4–6, मत्ती 15:7–8, मत्ती 15:9, मत्ती 15:11, मत्ती 15:11 (#2), मत्ती 15:14, मत्ती 15:19, मत्ती 15:23, मत्ती 15:24, मत्ती 15:28, मत्ती 15:30–31, मत्ती 15:34, मत्ती 15:36, मत्ती 15:37, मत्ती 15:38, मत्ती 16:1, मत्ती 16:4, मत्ती 16:6, मत्ती 16:12, मत्ती 16:13, मत्ती 16:14, मत्ती 16:16, मत्ती 16:17, मत्ती 16:19, मत्ती 16:21, मत्ती 16:23, मत्ती 16:24, मत्ती 16:26, मत्ती 16:27, मत्ती 16:27 (#2), मत्ती 16:28, मत्ती 17:1, मत्ती 17:2, मत्ती 17:3, मत्ती 17:4, मत्ती 17:5, मत्ती 17:9, मत्ती 17:11, मत्ती 17:12–13, मत्ती 17:14–16, मत्ती 17:18, मत्ती 17:20, मत्ती 17:22–23, मत्ती 17:27, मत्ती 18:3, मत्ती 18:4, मत्ती 18:6, मत्ती 18:8, मत्ती 18:10, मत्ती 18:12–14, मत्ती 18:15, मत्ती 18:16, मत्ती 18:17, मत्ती 18:17 (#2), मत्ती 18:20, मत्ती 18:21–22, मत्ती 18:24–25, मत्ती 18:27, मत्ती 18:30, मत्ती 18:33, मत्ती 18:34, मत्ती 18:35, मत्ती 19:3, मत्ती 19:4, मत्ती 19:5, मत्ती 19:5–6, मत्ती 19:6, मत्ती 19:7–8, मत्ती 19:9, मत्ती 19:13, मत्ती 19:14, मत्ती 19:16–17, मत्ती 19:20–21, मत्ती 19:22, मत्ती 19:26, मत्ती 19:28, मत्ती 19:30, मत्ती 20:1–2, मत्ती 20:4, मत्ती 20:9, मत्ती 20:11–12, मत्ती 20:13–14, मत्ती 20:17–19, मत्ती 20:20–21, मत्ती 20:23, मत्ती 20:26, मत्ती 20:28, मत्ती 20:30, मत्ती 20:34, मत्ती 21:2, मत्ती 21:4–5, मत्ती 21:8, मत्ती 21:9, मत्ती 21:12, मत्ती 21:13, मत्ती 21:15–16, मत्ती 21:18–19, मत्ती 21:20–22, मत्ती 21:23, मत्ती 21:25, मत्ती 21:25 (#2), मत्ती 21:26, मत्ती 21:28–29, मत्ती 21:30, मत्ती 21:31, मत्ती 21:31–32, मत्ती 21:35–36, मत्ती 21:37, मत्ती 21:38–39, मत्ती 21:40–41, मत्ती 21:42, मत्ती 21:43, मत्ती 21:46, मत्ती 22:5–6, मत्ती 22:7, मत्ती 22:9–10, मत्ती 22:13, मत्ती 22:15, मत्ती 22:17, मत्ती 22:21, मत्ती 22:23, मत्ती 22:26–27, मत्ती 22:29, मत्ती 22:30, मत्ती 22:32, मत्ती 22:36, मत्ती 22:37–38, मत्ती 22:39, मत्ती 22:42, मत्ती 22:42 (#2), मत्ती 22:45, मत्ती 22:46, मत्ती 23:2–3, मत्ती 23:3, मत्ती 23:5, मत्ती 23:8–10, मत्ती 23:12, मत्ती 23:13–15, मत्ती 23:15, मत्ती 23:16–17, मत्ती 23:23, मत्ती 23:25–26, मत्ती 23:28, मत्ती 23:29–31, मत्ती 23:33, मत्ती 23:34, मत्ती 23:35, मत्ती 23:36, मत्ती 23:37, मत्ती 23:38, मत्ती 24:2, मत्ती 24:3, मत्ती 24:5, मत्ती 24:6–8, मत्ती 24:9–10, मत्ती 24:13, मत्ती 24:14, मत्ती 24:15–16, मत्ती 24:21, मत्ती 24:24, मत्ती 24:27, मत्ती 24:29, मत्ती 24:30, मत्ती 24:31, मत्ती 24:34, मत्ती 24:35, मत्ती 24:36, मत्ती 24:37–39, मत्ती 24:42, मत्ती 24:45–46, मत्ती 24:47, मत्ती 24:48–49, मत्ती 24:51, मत्ती 25:3, मत्ती 25:4, मत्ती 25:5–6, मत्ती 25:10, मत्ती 25:10–12, मत्ती 25:13, मत्ती 25:16–17, मत्ती 25:18, मत्ती 25:19, मत्ती 25:20–21, मत्ती 25:26–30, मत्ती 25:31–32, मत्ती 25:34, मत्ती 25:35–36, मत्ती 25:41, मत्ती 25:42–43, मत्ती 26:2, मत्ती 26:4, मत्ती

26:5, मत्ती 26:6–9, मत्ती 26:12, मत्ती 26:14–15, मत्ती 26:21, मत्ती 26:24, मत्ती 26:25, मत्ती 26:26, मत्ती 26:28, मत्ती 26:30–31, मत्ती 26:33–34, मत्ती 26:37–38, मत्ती 26:39, मत्ती 26:40, मत्ती 26:42, मत्ती 26:42–44, मत्ती 26:47–48, मत्ती 26:51, मत्ती 26:53, मत्ती 26:54, मत्ती 26:56, मत्ती 26:59, मत्ती 26:63, मत्ती 26:64, मत्ती 26:64 (#2), मत्ती 26:65, मत्ती 26:67, मत्ती 26:73–75, मत्ती 26:74, मत्ती 26:75, मत्ती 27:2, मत्ती 27:3–5, मत्ती 27:6–7, मत्ती 27:9–10, मत्ती 27:11, मत्ती 27:12–14, मत्ती 27:15–16, मत्ती 27:19, मत्ती 27:20, मत्ती 27:22, मत्ती 27:24, मत्ती 27:25, मत्ती 27:27–29, मत्ती 27:32, मत्ती 27:33, मत्ती 27:35–36, मत्ती 27:37, मत्ती 27:38, मत्ती 27:42, मत्ती 27:45, मत्ती 27:46, मत्ती 27:50, मत्ती 27:51, मत्ती 27:52–53, मत्ती 27:54, मत्ती 27:57–58, मत्ती 27:60, मत्ती 27:62–64, मत्ती 27:65–66, मत्ती 28:1, मत्ती 28:2, मत्ती 28:4, मत्ती 28:5–7, मत्ती 28:8–9, मत्ती 28:11–13, मत्ती 28:17, मत्ती 28:18, मत्ती 28:19, मत्ती 28:19 (#2), मत्ती 28:20, मत्ती 28:20 (#2)

मत्ती 1:1

यीशु मसीह की वंशावली में, कौन से दो पूर्वज सबसे पहले सूचीबद्ध किये गए हैं, जो उनके महत्व को प्रकट करते हैं?

सबसे पहले सूचीबद्ध किये गए दो पूर्वज दाऊद और अब्राहम हैं।

मत्ती 1:16

वंशावली के अंत में, जिस पत्नी का नाम दिया गया है वह कौन है, और उसे क्यों सूचीबद्ध किया गया है?

यूसुफ की पत्नी मरियम का नाम सूची में इसलिए है क्योंकि उसके द्वारा यीशु का जन्म हुआ था।

मत्ती 1:18

यूसुफ के साथ इकट्ठे होने के पहले मरियम के साथ क्या हुआ था?

मरियम यूसुफ के साथ इकट्ठे होने के पहले ही पवित्र आत्मा की ओर से गर्भवती पाई गई थी।

मत्ती 1:19

यूसुफ किस प्रकार का पुरुष था?

यूसुफ एक धर्मी पुरुष था।

मत्ती 1:19 (#2)

जब यूसुफ को पता चला कि मरियम गर्भवती है तो उसने क्या करने की मनसा की?

यूसुफ ने मरियम के साथ अपनी मंगनी को चुपके से तोड़ देने की मनसा की।

मत्ती 1:20

यूसुफ के साथ ऐसा क्या हुआ कि उसने मरियम से अपनी मंगनी बरकरार रखने का निश्चय किया?

एक स्वर्गदूत ने स्वप्न में यूसुफ से कहा कि वह मरियम को अपनी पत्नी बना ले, क्योंकि वह बालक पवित्र आत्मा की ओर से गर्भ में है।

मत्ती 1:21

यूसुफ को उस पुत्र का नाम यीशु रखने के लिए क्यों कहा गया?

यूसुफ को कहा गया कि वह उस पुत्र का नाम यीशु रखे क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से उद्धार करेंगें।

मत्ती 1:23

पुराने नियम की भविष्यवाणी में क्या लिखा है जो इन घटनाओं में पूरी हुई?

पुराने नियम की भविष्यवाणी यह थी कि एक कुँवारी एक पुत्र जनेगी और उसका नाम इम्मानुएल रखा जाएगा, जिसका अर्थ है "परमेश्वर हमारे साथ।"

मत्ती 1:25

जब तक मरियम ने यीशु को न जना, तब तक यूसुफ ने क्या नहीं किया?

जब तक कि मरियम ने यीशु को न जना, तब तक यूसुफ उसके पास न गया।

मत्ती 2:1

यीशु का जन्म कहाँ हुआ था?

यीशु का जन्म यहूदिया के बैतलहम में हुआ था।

मत्ती 2:2

पूर्व से आए ज्योतिषियों ने यीशु को क्या उपाधि दी?

पूर्व से आए ज्योतिषियों ने यीशु को "यहूदियों का राजा" की उपाधि दी।

मत्ती 2:2 (#2)

ज्योतिषियों को यह कैसे ज्ञात हुआ कि यहूदियों के राजा का जन्म हुआ था?

ज्योतिषियों ने यहूदियों के राजा का तारा पूर्व दिशा में देखा था।

मत्ती 2:3

ज्योतिषियों से समाचार मिलने पर राजा हेरोदेस ने कैसी प्रतिक्रिया दी?

जब राजा हेरोदेस ने ज्योतिषियों से समाचार सुना, तो वह घबरा गया।

मत्ती 2:5–6

प्रधान याजकों और शास्त्रियों को कैसे पता था कि मसीह का जन्म कहाँ होगा?

वे उस भविष्यवाणी से परिचित थे जिसमे कहा गया था कि मसीह का जन्म बैतलहम में होगा।

मत्ती 2:9

ज्योतिषियों को कैसे पता चला कि यीशु कहाँ थे?

पूर्व दिशा का तारा उनके आगे-आगे चलता रहा और उस स्थान पर आकर ठहर गया जहाँ यीशु थे।

मत्ती 2:11

जब ज्योतिषी यीशु को देखने आए, तब उनकी आयु कितनी थी?

जब ज्योतिषी यीशु को देखने आए, तब वे एक छोटे बालक थे।

मत्ती 2:11 (#2)

ज्योतिषियों ने यीशु को कौन-कौन सी भेंट चढ़ाई?

ज्योतिषियों ने यीशु को सोना, लोबान और गन्धरस की भेंट चढ़ाई।

मत्ती 2:12

ज्योतिषी किस मार्ग से अपने देश को चले गए, और वे इस मार्ग से क्यों गए?

ज्योतिषी दूसरे मार्ग से अपने देश को चले गए क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें एक स्वप्न में चेतावनी दी थी कि वे हेरोदेस के पास फिर न जाएं।

मत्ती 2:13

यूसुफ को एक स्वप्न में क्या निर्देश प्राप्त हुए?

यूसुफ को एक स्वप्न में निर्देश दिया गया कि वह यीशु और मरियम को लेकर मिस्र को भाग जाए क्योंकि हेरोदेस यीशु को मरवा डालने के प्रयास में था।

मत्ती 2:15

यीशु के मिस्र से वापस लौटने से कौन सी भविष्यवाणी पूरी हुई?

“मैंने अपने पुत्र को मिस्र से बुलाया” यह भविष्यवाणी तब पूरी हुई जब यीशु बाद में मिस्र से वापस लौटे।

मत्ती 2:16

जब ज्योतिषी हेरोदेस के पास वापस नहीं लौटे, तो हेरोदेस ने क्या किया?

हेरोदेस ने बैतलहम क्षेत्र के सब लड़कों को मरवा डाला जो दो वर्ष या उससे छोटे थे।

मत्ती 2:19–20

हेरोदेस की मृत्यु के बाद यूसुफ को स्वप्न में क्या निर्देश प्राप्त हुए?

यूसुफ को स्वप्न में इस्राएल के देश में लौट जाने का निर्देश दिया गया था।

मत्ती 2:22–23

यूसुफ मरियम और यीशु के साथ कहाँ जा बसा?

यूसुफ मरियम और यीशु के साथ गलील के नासरत में जा बसा।

मत्ती 2:23

जब यूसुफ अपने नए स्थान पर जा बसा, तो कौन सी भविष्यवाणी पूरी हुई?

यह भविष्यवाणी पूरी हुई कि मसीह नासरी कहलाएगा।

मत्ती 3:2

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने जंगल में किस संदेश का प्रचार किया था?

यूहन्ना ने प्रचार किया, "मन फिराओ, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है"।

मत्ती 3:3

यशायाह की भविष्यवाणी में क्या कहा गया था कि यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला क्या करने आएगा?

भविष्यवाणी में कहा गया था कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने लोगों को प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए चेतावनी दी थी।

मत्ती 3:6

जब लोगों ने यूहन्ना द्वारा बपतिस्मा लिया, तो उन्होंने क्या किया?

बपतिस्मा लेते समय लोगों ने अपने-अपने पापों को माना।

मत्ती 3:8

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने फरीसियों और सदूकियों से क्या करने के लिए कहा?

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने फरीसियों और सदूकियों से कहा कि वे मन फिराव के योग्य फल लाएं।

मत्ती 3:9

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने फरीसियों और सदूकियों को अपने-अपने मन में क्या न सोचने की चेतावनी दी?

यूहन्ना ने फरीसियों और सदूकियों को चेतावनी दी कि वे अपने-अपने मन में यह न सोचें कि अब्राहम उनके पिता हैं।

मत्ती 3:10

यूहन्ना के अनुसार, उस पेड़ का क्या होता है जो अच्छा फल नहीं लाता?

यूहन्ना कहता है कि हर वह पेड़ जो अच्छा फल नहीं लाता, वह काटा और आग में झोंका जाता है।

मत्ती 3:11

यूहन्ना के बाद आनेवाला किस प्रकार से बपतिस्मा देगा?

जो यूहन्ना के बाद आनेवाले थे, वह पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देंगे।

मत्ती 3:15

यीशु ने यूहन्ना से क्या कहा जिससे यूहन्ना यीशु को बपतिस्मा देने के लिए मान गया?

यीशु ने कहा कि सब धार्मिकता को पूरा करने के लिए यूहन्ना द्वारा यीशु को बपतिस्मा देना उचित था।

मत्ती 3:16

जब यीशु पानी में से ऊपर आए, तो उन्होंने क्या देखा?

जब वह पानी में से ऊपर आए, तो यीशु ने परमेश्वर की आत्मा को एक कबूतर के समान उतरते और अपने ऊपर आते देखा।

मत्ती 3:17

यीशु के बपतिस्मा के बाद क्या आकाशवाणी हुई?

आकाशवाणी ने कहा, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं अत्यन्त प्रसन्न हूँ।"

मत्ती 4:1

यीशु को शैतान द्वारा परीक्षा में डालने के लिए एकांत में कौन ले गया?

पवित्र आत्मा यीशु को शैतान द्वारा परीक्षा के लिए एकांत में ले गया।

मत्ती 4:2

यीशु ने एकांत में कितने समय तक निराहार रहा?

यीशु ने एकांत में 40 दिन और 40 रात तक निराहार रहा।

मत्ती 4:3

परखनेवाले ने यीशु के सामने पहला प्रलोभन क्या प्रस्तुत किया?

परखनेवाले ने पत्थरों को रोटी में बदलने के लिए यीशु को प्रलोभित किया।

मत्ती 4:4

पहली परीक्षा के प्रति यीशु का क्या उत्तर था?

यीशु ने कहा कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा।

मत्ती 4:5–6

शैतान ने यीशु के सामने दूसरा प्रलोभन क्या रखा?

शैतान ने यीशु को मन्दिर के कंगूरे से अपने आप को नीचे गिरा देने के लिए प्रलोभित किया।

मत्ती 4:7

दूसरे प्रलोभन के लिए यीशु का क्या उत्तर था?

यीशु ने कहा कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न कर।

मत्ती 4:8–9

शैतान ने यीशु के सामने तीसरा प्रलोभन क्या रखा?

शैतान ने यीशु को सारे जगत के राज्यों के बदले में उसकी आराधना करने के लिए प्रलोभित किया।

मत्ती 4:10

तीसरे प्रलोभन का यीशु ने क्या उत्तर दिया?

यीशु ने कहा कि तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।

मत्ती 4:15–16

यीशु के गलील के कफरनहूम जाने से क्या भविष्यवाणी पूरी हुई?

यशायाह की भविष्यवाणी पूरी हुई जिसमें कहा गया था कि गलील के लोग एक बड़ी ज्योति देखेंगे।

मत्ती 4:17

उसके बाद यीशु ने किस सन्देश को प्रचार करना आरम्भ किया?

यीशु ने प्रचार किया, “मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आया है।”

मत्ती 4:18

पतरस और अन्द्रियास अपनी जीविका कैसे चलाते थे?

पतरस और अन्द्रियास मछुए थे।

मत्ती 4:19

यीशु ने पतरस और अन्द्रियास को क्या बनाने के लिए कहा?

यीशु ने कहा कि वह पतरस और अन्द्रियास को मनुष्यों के पकड़नेवाले बनाएँगे।

मत्ती 4:21

याकूब और यूहन्ना अपनी जीविका कैसे चलाते थे?

याकूब और यूहन्ना मछुए थे।

मत्ती 4:23

इस समय, यीशु कहाँ पर उपदेश देने गए?

यीशु ने गलील के आराधनालयों में उपदेश दिया।

मत्ती 4:24

किस प्रकार के लोगों को यीशु के पास लाया गया और यीशु ने उनके साथ क्या किया?

सब लोग जो बीमार थे और जिनमें दुष्टात्माएँ थीं, उन्हें यीशु के पास लाया गया, और यीशु ने उन्हें चंगा किया।

मत्ती 4:25

इस समय कितने लोग यीशु के पीछे चल रहे थे?

इस समय यीशु के पीछे भीड़ की भीड़ चल रही थी।

मत्ती 5:3

मन के दीन धन्य क्यों हैं?

मन के दीन इसलिए धन्य हैं, क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है।

मत्ती 5:4

जो शोक करते हैं, वे धन्य क्यों हैं?

जो शोक करते हैं वे धन्य इसलिए हैं क्योंकि वे शान्ति पाएँगे।

मत्ती 5:5

नम्र धन्य क्यों हैं?

नम्र इसलिए धन्य हैं क्योंकि वे पृथ्वी के अधिकारी होंगे।

मत्ती 5:6

जो धार्मिकता के भूखे और प्यासे हैं, वे धन्य क्यों हैं?

जो धार्मिकता के भूखे और प्यासे हैं वे धन्य हैं क्योंकि वे तृप्त किए जाएँगे।

मत्ती 5:11–12

जो लोग यीशु के लिए निन्दा सहते और सताए जाते हैं, वे धन्य क्यों हैं?

जो लोग यीशु के लिए निन्दा सहते और सताए जाते हैं, वे धन्य हैं क्योंकि उनके लिये स्वर्ग में बड़ा प्रतिफल है।

मत्ती 5:15–16

विश्वासी लोग अपना उजियाला लोगों के सामने कैसे चमकाते हैं?

विश्वासी भले कामों को करके लोगों के सामने अपने उजियाले को चमकाते हैं।

मत्ती 5:17

यीशु पुराने नियम की व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं के साथ क्या करने आए थे?

यीशु पुराने नियम की व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं को पूरा करने के लिए आए थे।

मत्ती 5:19

स्वर्ग के राज्य में सबसे महान कौन कहलाएगा?

जो कोई परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करेगा और उन्हें दूसरों को सिखाएगा, वही स्वर्ग के राज्य में महान कहलाएगा।

मत्ती 5:21–22

यीशु ने सिखाया कि दण्ड के योग्य केवल हत्या करने वाले ही नहीं, बल्कि वे लोग भी हैं जो क्या करते हैं?

यीशु ने सिखाया कि न केवल वे जो हत्या करते हैं, बल्कि वे भी जो अपने भाई पर क्रोध करते हैं, दण्ड के योग्य हैं।

मत्ती 5:23–24

यीशु ने हमें क्या सिखाया कि यदि हमारे भाई के मन में हमारी ओर से कुछ विरोध है तो हमें क्या करना चाहिए?

यीशु ने सिखाया कि यदि हमारे भाई के मन में हमारी ओर से कुछ विरोध है, तो हमें जाकर उसके साथ मेल मिलाप करना चाहिए।

मत्ती 5:25

यीशु ने हमें क्या सिखाया कि न्यायालय में जाने से पहले हमें अपने मुद्दई के साथ क्या करना चाहिए?

यीशु ने सिखाया कि हमें न्यायालय पहुँचने से पहले अपने मुद्दई के साथ मेल मिलाप करने की कोशिश करनी चाहिए।

मत्ती 5:27–28

यीशु ने सिखाया कि न केवल व्यभिचार करना ग़लत है, बल्कि क्या करना भी ग़लत है?

यीशु ने सिखाया कि न केवल व्यभिचार करना गलत है, बल्कि किसी स्त्री पर कुदृष्टि डालना भी गलत है।

मत्ती 5:29–30

यीशु ने क्या कहा कि हमें उन सभी चीज़ों के साथ क्या करना चाहिए जो हमें पाप करने के लिए प्रेरित करती हैं?

यीशु ने कहा कि हमें हर उस चीज़ से छुटकारा पाना चाहिए जो हमें पाप करने के लिए प्रेरित करती है।

मत्ती 5:32

यीशु ने तलाक की अनुमति किस कारण से दी?

व्यभिचार के कारण से यीशु ने तलाक की अनुमति दी।

मत्ती 5:32 (#2)

यदि कोई पति अपनी पत्नी को गलत तरीके से तलाक दे देता है और वह दूसरा विवाह कर लेती है, तो इससे उसकी क्या हालत हो जाती है?

यदि कोई पति अपनी पत्नी को गलत तरीके से तलाक देता है और वह दूसरा विवाह कर लेती है तो वह व्यभिचारिणी बन जाती है।

मत्ती 5:37

विभिन्न सांसारिक चीज़ों की शपथ लेने के बजाय, यीशु कहते हैं कि हमारी बात कैसी होनी चाहिए?

यीशु कहते हैं कि इन सभी चीजों की शपथ लेने के बजाय हमें अपनी बात को "हाँ की हाँ" या "नहीं की नहीं" ही रहने देना चाहिए।

मत्ती 5:38–39

यीशु ने हमें क्या सिखाया कि जो हमारे प्रति बुरा व्यवहार करता है उसके साथ हमें क्या करना चाहिए?

यीशु ने सिखाया कि हमें उस व्यक्ति का विरोध नहीं करना चाहिए जो हमारे प्रति बुरा व्यवहार करता है।

मत्ती 5:43–44

यीशु ने हमें क्या सिखाया कि हमें अपने बैरियों और हमें सतानेवालों के साथ क्या करना चाहिए?

यीशु ने सिखाया कि हमें अपने बैरियों से प्रेम रखना चाहिए और अपने सतानेवालों के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

मत्ती 5:46–47

यीशु ने ऐसा क्यों कहा कि हमें न केवल उनसे प्रेम करना चाहिए जो हमसे प्रेम रखते हैं, बल्कि अपने शत्रुओं से भी प्रेम करना चाहिए?

यीशु ने कहा कि यदि हम केवल उन्हीं से प्रेम करें जो हमसे प्रेम रखते हैं, तो हमें कोई लाभ नहीं होगा, क्योंकि हम वही कर रहे हैं जो अन्यजाति पहले से ही कर रहे हैं।

मत्ती 6:2

जो लोग लोगों को दिखाने के लिए धार्मिकता के काम करते हैं, उन्हें क्या प्रतिफल मिलता है?

जो लोग लोगों को दिखाने के लिए धार्मिकता के काम करते हैं, उन्हें प्रतिफल के रूप में लोगों की बड़ाई मिलती है।

मत्ती 6:3–4

पिता से प्रतिफल पाने के लिए हमें धार्मिकता के काम कैसे करने चाहिए?

हमें अपने धार्मिकता के काम गुप्त में करने चाहिए।

मत्ती 6:5

उन कपटियों को क्या प्रतिफल मिलता है जो लोगों को दिखाने के लिए प्रार्थना करते हैं?

जो लोग कपटी होकर लोगों को दिखाने के लिए प्रार्थना करते हैं, उन्हें लोगों से ही उनका प्रतिफल मिलता है।

मत्ती 6:6

जो लोग गुप्त में प्रार्थना करते हैं, उन्हें किससे प्रतिफल मिलता है?

जो लोग गुप्त में प्रार्थना करते हैं, उन्हें पिता से प्रतिफल मिलता है।

मत्ती 6:7–8

यीशु ने क्यों कहा कि हमें व्यर्थ में बार बार प्रार्थना नहीं करनी चाहिए?

यीशु कहते हैं कि हमें व्यर्थ में बार बार प्रार्थना को नहीं दोहराना चाहिए, क्योंकि पिता हमारे मांगने से पहले ही जानते हैं कि हमारी क्या-क्या आवश्यकताएँ हैं।

मत्ती 6:10

हमें पिता से कहाँ विनती करनी चाहिए कि उनकी इच्छा पूरी हो?

हमें पिता से प्रार्थना करना चाहिए कि उनकी इच्छा पृथ्वी पर भी पूरी हो, जैसे स्वर्ग में पूरी हो चुकी है।

मत्ती 6:15

यदि हम दूसरों को उनके अपराध के लिए क्षमा नहीं करेंगे, तो पिता क्या करेंगे?

यदि हम दूसरों के अपराध को क्षमा नहीं करेंगे, तो पिता हमारे अपराध को क्षमा नहीं करेंगें।

मत्ती 6:16–18

हमें किस प्रकार उपवास करना चाहिए ताकि हमें पिता से प्रतिफल प्राप्त हो?

हमें लोगों को न दिखाते हुए उपवास करना चाहिए, और तब पिता हमें प्रतिफल देंगें।

मत्ती 6:19–20

हमें धन कहाँ इकट्ठा करना चाहिए, और क्यों?

हमें स्वर्ग में धन इकट्ठा करना चाहिए, क्योंकि वहाँ इसे न तो बिगाड़ा जा सकता है और न ही चुराया जा सकता है।

मत्ती 6:21

जहाँ हमारा धन होगा, वहाँ क्या होगा?

जहाँ हमारा धन है वहाँ हमारा मन भी लगा रहेगा।

मत्ती 6:24

हमें किन दो स्वामियों में से एक को चुनना होगा?

हमें अपने स्वामी के रूप में परमेश्वर और धन के बीच चुनाव करना होगा।

मत्ती 6:25–26

हमें खाने-पीने और वस्त्र की चिन्ता क्यों नहीं करनी चाहिए?

हमें खाने-पीने और वस्त्रों की चिन्ता नहीं करनी चाहिए क्योंकि पिता तो पक्षियों की भी देख-भाल करते हैं और हम उनसे कहीं अधिक मूल्य रखते हैं।

मत्ती 6:27

यीशु हमें क्या याद दिलाते हैं कि हम चिन्ता करके क्या नहीं कर सकते?

यीशु हमें याद दिलाते हैं कि चिन्ता करने से हम अपने जीवनकाल में एक घड़ी भी बढ़ा नहीं सकते हैं।

मत्ती 6:33

हमें सबसे पहले किस की खोज करना चाहिए, और तब हमारी सभी सांसारिक ज़रूरतें पूरी हो जाएँगी?

हमें पहले परमेश्वर के राज्य और धार्मिकता की खोज करनी चाहिए, और तब हमारी सब सांसारिक आवश्यकताएँ पूरी की जाएँगी।

मत्ती 7:3–5

हम अपने भाई की सहायता स्पष्ट रीति से देखने के लिए पहले क्या करें?

अपने भाई की सहायता करने से पहले हमें खुद का न्याय करना होगा और अपनी आँख से लट्ठा निकालना होगा।

मत्ती 7:6

यदि तुम कुत्तों को पवित्र वस्तुएँ दोगे तो क्या हो सकता है?

यदि तुम कुत्तों को पवित्र वस्तु को दोगे तो वे उसे पाँवों तले रौंद डालेंगे और फिर पलटकर तुम को फाड़ डालेंगे।

मत्ती 7:8

पिता से पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

हमें पिता से प्राप्त करने के लिए माँगना, खोजना और खटखटाना चाहिए।

मत्ती 7:11

पिता अपने माँगनेवालों को क्या देते हैं?

पिता अपने माँगनेवालों को अच्छी वस्तुएँ देते हैं।

मत्ती 7:12

दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए, इस बारे में व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा हमें क्या सिखाती हैं?

व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता हमें सिखाते हैं कि हम दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करें जैसा हम चाहते हैं कि मनुष्य हमारे साथ करें।

मत्ती 7:13

चौड़ा फाटक किस ओर ले जाता है?

चौड़ा फाटक विनाश की ओर ले जाता है।

मत्ती 7:14

संकरा फाटक किस ओर ले जाता है?

संकरा फाटक जीवन की ओर ले जाता है।

मत्ती 7:15–16

हम झूठे भविष्यद्वक्ताओं की पहचान कैसे कर सकते हैं?

हम झूठे भविष्यद्वक्ताओं को उनके जीवन के फल से पहचान सकते हैं।

मत्ती 7:21

स्वर्ग के राज्य में कौन प्रवेश करेंगे?

जो लोग पिता की इच्छा पर चलते हैं, वे ही स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करेंगे।

मत्ती 7:22–23

यीशु उन लोगों से क्या कहेंगे जिन्होंने यीशु के नाम पर भविष्यवाणी की है, दुष्टात्माओं को निकाला है, और अचम्भे के काम किए हैं?

यीशु उनसे कहेंगे, "मैंने तुम को कभी नहीं जाना, हे कुकर्म करनेवालों, मेरे पास से चले जाओ"!

मत्ती 7:24

यीशु के दो घरों के दृष्टान्त में बुद्धिमान मनुष्य के समान कौन है?

जो यीशु की बातों को सुनते हैं और उनको मानते हैं, वह बुद्धिमान मनुष्य के समान है।

मत्ती 7:26

यीशु के दो घरों के दृष्टान्त में मूर्ख मनुष्य के समान कौन है?

जो यीशु की बातों को सुनता है और उन पर नहीं चलता वह मूर्ख मनुष्य के समान है।

मत्ती 7:29

शास्त्रियों के उपदेश की तुलना में यीशु ने लोगों को किस प्रकार उपदेश दिया?

यीशु ने लोगों को एक अधिकारी के समान उपदेश दिया, न कि शास्त्रियों के समान उपदेश दिया।

मत्ती 8:4

यीशु ने क्यों कहा कि चंगे हुए कोढ़ी को याजक के पास जाना चाहिए और मूसा द्वारा जो चढ़ावे की आज्ञा दी गई उसे चढ़ाना चाहिए?

यीशु ने चंगे हुए कोढ़ी से कहा कि वह याजक के पास जाए ताकि यह उनके लिये एक गवाही हो।

मत्ती 8:7

जब सूबेदार ने यीशु को अपने लकवे के मारे हुए सेवक के बारे में बताया, तो यीशु ने क्या कहा कि वह क्या करेंगे?

यीशु ने कहा कि वह सूबेदार के घर जाएँगे और सेवक को चंगा करेंगे।

मत्ती 8:8

सूबेदार ने क्यों कहा कि यीशु को उसके घर आने की आवश्यकता नहीं थी?

सूबेदार ने कहा कि वह इस योग्य नहीं, कि यीशु उसकी छत के तले आए, पर केवल यीशु मुँह से कह दें तो सेवक चंगा हो जाएगा।

मत्ती 8:10

यीशु ने सूबेदार की किस प्रकार प्रशंसा की?

यीशु ने कहा कि इस्राएल में भी उन्होंने किसी में भी सूबेदार के समान विश्वास नहीं पाया।

मत्ती 8:11

यीशु ने किसके बारे में कहा कि वह स्वर्ग के राज्य में बैठेंगे?

यीशु ने कहा कि बहुत सारे पूर्व और पश्चिम से आकर स्वर्ग के राज्य में बैठेंगे।

मत्ती 8:12

यीशु ने किसके बारे में कहा कि उसे बाहर अंधकार में डाल दिया जाएगा जहाँ रोना और दाँतों का पीसना होगा?

यीशु ने कहा कि राज्य के सन्तान को बाहर अंधकार में डाल दिया जाएगा।

मत्ती 8:14–15

यीशु ने पतरस के घर में आकर किसे चंगा किया?

यीशु ने पतरस के घर में आकर उसकी सास को चंगा किया।

मत्ती 8:17

यशायाह की कौन सी भविष्यवाणी पूरी हुई जब यीशु ने दुष्टात्माओं से ग्रस्त और बीमार सभी लोगों को चंगा किया?

यशायाह की भविष्यवाणी, "उसने आप हमारी दुर्बलताओं को ले लिया और हमारी बीमारियों को उठा लिया," पूरी हुई।

मत्ती 8:20

जब शास्त्री ने यीशु से उनके पीछे चलने को कहा, तो उन्होंने अपने जीवन जीने के तरीके के बारे में क्या कहा?

यीशु ने कहा कि उनके पास सिर धरने की कोई स्थायी जगह नहीं थी।

मत्ती 8:21–22

जब एक चेले ने यीशु के पीछे चलने से पहले अपने पिता को गाड़ने जाने को कहा, तो यीशु ने क्या कहा?

यीशु ने चेले से कहा कि वह उनके पीछे हो ले और मुर्दों को अपने मुर्दे गाड़ने दे।

मत्ती 8:24

जब झील में एक बड़ा तूफान उठा, तब यीशु नाव में क्या कर रहे थे?

जब झील में एक बड़ा तूफान उठा, तब यीशु सो रहे थे।

मत्ती 8:26

जब चेलों ने यीशु को जगाया क्योंकि वे मरने से डर रहे थे, तो यीशु ने उनसे क्या कहा?

यीशु ने चेलों से कहा, "हे अल्पविश्वासियों, क्यों डरते हो?"

मत्ती 8:27

जब सब कुछ शान्त होने के बाद चेले यीशु पर क्यों अचम्भा करने लगे?

चेले यीशु पर अचम्भा करने लगे क्योंकि आँधी और पानी भी उनकी आज्ञा मानते थे।

मत्ती 8:28

जब यीशु गदरेनियों के क्षेत्र में पहुँचे, तो किस प्रकार के मनुष्य उनसे मिले?

यीशु दो मनुष्यों से मिले जिनमे दुष्टात्माएँ थी और जो बहुत प्रचण्ड थे।

मत्ती 8:29

दुष्टात्माओं द्वारा उन मनुष्यों के माध्यम से यीशु से बात करने का क्या उद्देश्य था?

दुष्टात्माएँ चिंतित थीं कि यीशु उन्हें समय से पहले दुःख देने आए हैं।

मत्ती 8:32

जब यीशु ने दुष्टात्माओं को बाहर निकाला, तब क्या हुआ?

जब यीशु ने दुष्टात्माओं को बाहर निकाला, तो वे सूअरों के एक झुण्ड में घुस गई और सूअर टीले पर से झपटकर पानी में जा पड़े और डूब मरे।

मत्ती 8:34

जब लोग यीशु से मिलने के लिए नगर से बाहर निकल आए तो उन्होंने उनसे क्या करने की विनती की?

लोगों ने यीशु से उनके क्षेत्र से बाहर निकल जाने की विनती की।

मत्ती 9:3-5

कुछ शास्त्रियों ने ऐसा क्यों सोचा कि यीशु परमेश्वर की निन्दा कर रहे हैं?

कुछ शास्त्रियों ने सोचा कि यीशु परमेश्वर की निन्दा कर रहे हैं क्योंकि यीशु ने लकवे के मारे हुए व्यक्ति से कहा था कि उसके पाप क्षमा कर दिए गए हैं।

मत्ती 9:5-6

यीशु ने लकवे के मारे हुए व्यक्ति से यह क्यों कहा कि उसके पाप क्षमा कर दिए गए हैं, बजाय इसके कि वह उससे कहे कि उठ और चल फिर?

यीशु ने लकवे के मारे हुए व्यक्ति से कहा था कि उसके पाप क्षमा कर दिए गए हैं, ताकि यह प्रदर्शित किया जा सके कि पृथ्वी पर पापों को क्षमा करने का अधिकार उनके पास है।

मत्ती 9:8

जब लोगों ने देखा कि लकवे के मारे हुए व्यक्ति के पाप क्षमा हो गए हैं और उसकी देह चंगी हो गई है, तो उन्होंने परमेश्वर की स्तुति क्यों की?

वे डर गए और परमेश्वर की महिमा करने लगे, जिन्होंने मनुष्यों को ऐसा अधिकार दिया था।

मत्ती 9:9

यीशु के पीछे हो लेने से पहले मत्ती का व्यवसाय क्या था?

यीशु के पीछे हो लेने से पहले मत्ती एक चुंगी लेने वाला था।

मत्ती 9:10

यीशु और उनके चेलों ने किसके साथ भोजन किया?

यीशु और उनके चेलों ने चुंगी लेनेवालो और पापियों के साथ भोजन किया।

मत्ती 9:13

यीशु किसे मन फिराव के लिए बुलाने आए थे?

यीशु ने कहा कि वह पापियों को मन फिराव के लिए बुलाने आए थे।

मत्ती 9:15

यीशु ने क्यों कहा कि उनके चेले उपवास नहीं कर रहे थे?

यीशु ने कहा कि उनके चेले उपवास नहीं कर रहे थे क्योंकि वह अभी भी उनके साथ थे।

मत्ती 9:15 (#2)

यीशु ने कब कहा कि उनके चेले उपवास करेंगे?

यीशु ने कहा कि जब उन्हें उनसे अलग किया जाएगा तो उनके चेले उपवास करेंगे।

मत्ती 9:20–21

बहुत अधिक लहू बहने वाली स्त्री ने क्या किया, और क्यों?

बहुत अधिक लहू बहने वाली स्त्री ने यह सोचकर यीशु के वस्त्र के कोने को छुआ कि यदि वह केवल उनके वस्त्र को छू लेगी, तो वह चंगी हो जाएगी।

मत्ती 9:22

यीशु ने क्या कहा जिससे अत्यधिक लहू बहने से पीड़ित स्त्री चंगी हो गई?

यीशु ने कहा कि अत्यधिक लहू बहने से पीड़ित स्त्री अपने विश्वास के कारण चंगी हो गई है।

मत्ती 9:24

जब यीशु ने यहूदी अधिकारी के घर में प्रवेश किया तो लोग उन पर क्यों हँसे?

लोग यीशु पर हँसे क्योंकि यीशु ने कहा था कि लड़की मरी नहीं है, पर सोती है।

मत्ती 9:26

यीशु द्वारा उस लड़की को मरे हुओं में से जीवित करने के बाद क्या हुआ?

यीशु द्वारा लड़की को मरे हुओं में से जीवित करने की बात की चर्चा उस सारे देश में फैल गई।

मत्ती 9:27

वे दो अंधे यीशु को क्या पुकार रहे थे?

वे दो अंधे पुकार रहे थे, "हे दाऊद की सन्तान, हम पर दया कर"!

मत्ती 9:29

यीशु ने दो अंधों को किस कारण से चंगा किया था?

यीशु ने उन दो अंधों को उनके विश्वास के अनुसार चंगा किया था।

मत्ती 9:34

यीशु द्वारा गूँगे को चंगा करने के बाद, फरीसियों ने उन पर क्या आरोप लगाया?

फरीसियों ने यीशु पर आरोप लगाया कि वह दुष्टात्माओं के सरदार की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालते हैं।

मत्ती 9:36

यीशु को भीड़ पर तरस क्यों आया?

यीशु को भीड़ पर तरस आया क्योंकि वे व्याकुल और भटके हुए से थे, और वे उन भेड़ों के समान थे जिनका कोई चरवाहा न था।

मत्ती 9:38

यीशु ने अपने चेलों से किसके लिए तुरंत विनती करने के लिए कहा?

यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वे तुरंत विनती करें कि फसल के स्वामी अपने खेत में मजदूर भेज दे।

मत्ती 10:1

यीशु ने अपने बारह चेलों को कौन सा अधिकार दिया?

यीशु ने अपने बारह चेलों को अशुद्ध आत्माओं को निकालने और सब प्रकार की बीमारियों को चंगा करने का अधिकार दिया।

मत्ती 10:4

उस चेले का नाम क्या है जो यीशु के साथ विश्वासघात करेगा?

जो चेला यीशु के साथ विश्वासघात करेगा, उसका नाम यहूदा इस्करियोती था।

मत्ती 10:6

इस समय यीशु ने अपने चेलों को कहाँ भेजा था?

यीशु ने अपने चेलों को केवल इस्राएल के घराने ही की खोई हुई भेड़ों के पास भेजा था।

मत्ती 10:9–10

क्या चेलों को अपने साथ कोई धन या अतिरिक्त कपड़े ले जाने थे?

नहीं, चेलों को अपने साथ कोई धन या अतिरिक्त कपड़े नहीं ले जाने थे।

मत्ती 10:11

जब चेले एक गाँव से दूसरे गाँव में जाते थे, तो उन्हें कहाँ ठहरना चाहिए था?

चेलों को गाँव में किसी योग्य व्यक्ति को ढूँढना था और वहाँ से निकलने तक वहीं रहना था।

मत्ती 10:14–15

उन नगरों पर क्या न्याय होगा जिन्होंने चेलों को ग्रहण नहीं किया या उनकी बातें नहीं सुनीं?

जिन नगरों ने चेलों को ग्रहण नहीं किया या उनकी बातें नहीं सुनीं, उन पर आने वाला न्याय सदोम और गमोरा पर आने वाले न्याय से भी अधिक बुरा होगा।

मत्ती 10:17–18

यीशु ने क्या कहा कि लोग चेलों के साथ क्या करेंगे?

यीशु ने कहा कि लोग चेलों को सभाओं में सौंपेंगे, उन्हें कोड़े मारेंगे, और उन्हें राज्यपालों और राजाओं के सामने पेश करेंगे।

मत्ती 10:20

जब चेलों को सौंपा जाएगा, तब उनके द्वारा कौन बोलेगा?

जब चेलों को सौंपा जाएगा, तब पिता का आत्मा उनके द्वारा बोलेगा।

मत्ती 10:22

यीशु ने किसके बारे में कहा कि अन्त में उसका उद्धार होगा?

यीशु ने कहा कि जो अन्त तक धीरज धरेगा उसी का उद्धार होगा।

मत्ती 10:24–25

जो लोग यीशु से घृणा करते थे, वे उनके चेलों के साथ कैसा व्यवहार करेंगे?

जो लोग यीशु से घृणा करते थे, वे उनके चेलों से भी घृणा करेंगे।

मत्ती 10:28

यीशु ने हमें किससे नहीं डरने के लिए कहा?

हमें उनसे नहीं डरना चाहिए जो शरीर को तो मार सकते हैं, पर आत्मा को मार नहीं सकते।

मत्ती 10:28 (#2)

यीशु ने हमें किससे डरने के लिए कहा है?

हमें उनसे डरना चाहिए जो आत्मा और शरीर दोनों को नरक में नाश कर सकते हैं।

मत्ती 10:32

यीशु उन सभी के लिए क्या करेंगे जो मनुष्यों के सामने उन्हें मान लेते हैं?

यीशु उन्हें स्वर्गीय पिता के सामने मान लेंगे।

मत्ती 10:33

यीशु उन सभी लोगों के लिए क्या करेंगे जो मनुष्यों के सामने उनका इन्कार करते हैं?

यीशु स्वर्गीय पिता के सामने उसका इन्कार करेंगे।

मत्ती 10:34-36

यीशु ने किस प्रकार के विभाजन लाने के विषय में कहा है?

यीशु ने कहा कि वह घरानों के भीतर भी विभाजन लाने आए हैं।

मत्ती 10:39

जो कोई यीशु के लिए अपना प्राण खोता है, उसे क्या मिलेगा?

जो कोई यीशु के लिए अपना प्राण खोता है, वह अपना प्राण पाएगा।

मत्ती 10:42

जो कोई किसी छोटे चेले को एक कटोरा ठंडा पानी भी देता है, उसे क्या मिलेगा?

जो कोई एक छोटे चेले को एक कटोरा ठंडा पानी भी देता है, उसे उसका पुरस्कार मिलेगा।

मत्ती 11:1

नगरों में उपदेश देने और प्रचार करने के लिए जाने से पहले यीशु ने क्या काम पूरा किया?

यीशु ने जाने से पहले अपने 12 चेलों को निर्देश देना समाप्त किया।

मत्ती 11:3

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने यीशु को क्या संदेश भेजा था?

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने संदेश भेजा, "क्या आनेवाला तू ही है, या हम दूसरे की प्रतीक्षा करें?"

मत्ती 11:5

यीशु ने क्या कहा जो इस बात का प्रमाण था कि आनेवाले वह ही थे?

यीशु ने कहा कि बीमारों को चंगा किया जा रहा है, मुर्दों को जिलाया जा रहा है, और गरीबों को सुसमाचार सुनाया जा रहा है।

मत्ती 11:6

यीशु ने उन लोगों से क्या प्रतिज्ञा करी जिन्हें उनके कारण ठोकर खाने का कोई मौका नहीं मिला?

यीशु ने उन लोगों के लिए एक आशीष की प्रतिज्ञा करी जिन्हें उनके कारण ठोकर खाने का कोई मौका नहीं मिला।

मत्ती 11:9-10

यीशु ने यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के विषय में क्या कहा कि उसने उनके जीवन में क्या भूमिका निभाई?

यीशु ने कहा कि यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला वह भविष्यवाणी किया गया दूत था जो अपने आगे आनेवाले व्यक्ति के लिए मार्ग तैयार करेगा।

मत्ती 11:14

यीशु ने कहा कि यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला कौन था?

यीशु ने कहा कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला एलिय्याह था।

मत्ती 11:18

उस पीढ़ी ने यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के बारे में क्या कहा जो न रोटी खाता आया और न ही दाखरस पीता आया?

उस पीढ़ी ने कहा कि यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले में दुष्टात्मा थी।

मत्ती 11:19

उस पीढ़ी ने यीशु के बारे में क्या कहा जो खाते-पीते आए थे?

उस पीढ़ी ने कहा कि यीशु पेटू और पियक्कड़ मनुष्य थे, तथा चुंगी लेनेवालों और पापियों के मित्र थे।

मत्ती 11:20

यीशु ने उन नगरों के विषय में क्या घोषणा की जहाँ उन्होंने सामर्थ्य के काम किए थे, फिर भी उन्होंने मन नहीं फिराया था?

यीशु ने उन नगरों को उलाहना दिया जहाँ उन्होंने सामर्थ्य के काम किए थे, फिर भी उन्होंने मन नहीं फिराया था।

मत्ती 11:25

यीशु ने स्वर्ग के राज्य को किससे छिपा कर रखने के लिए पिता का धन्यवाद दिया?

यीशु ने स्वर्ग के राज्य को ज्ञानियों और समझदारों से छिपा कर रखने के लिए पिता को धन्यवाद दिया।

मत्ती 11:25 (#2)

यीशु ने स्वर्ग का राज्य किस पर प्रकट करने के लिए पिता को धन्यवाद दिया?

यीशु ने पिता को धन्यवाद दिया कि उन्होंने स्वर्ग के राज्य को उन लोगों पर प्रकट किया जो बालकों के समान अशिक्षित थे।

मत्ती 11:27

यीशु ने किसके बारे में कहा कि वह पिता को जानता है?

यीशु ने कहा कि वह पिता को और जिस किसी पर वह उन्हें प्रकट करना चाहे, उसे भी जानते हैं।

मत्ती 11:28

यीशु ने विश्राम की प्रतिज्ञा किससे किया?

यीशु ने सब परिश्रम करनेवालों और बोझ से दबे लोगों को विश्राम देने की प्रतिज्ञा किया।

मत्ती 12:2

यीशु के चेले क्या कर रहे थे जिसके बारे में फरीसियों ने उनसे शिकायत की?

फरीसियों ने शिकायत करी कि यीशु के चेले अनाज की बालें तोड़कर खा रहे थे, जो उनके अनुसार सब्त के दिन करना व्यवस्था के विरुद्ध था।

मत्ती 12:6

यीशु ने किसे मन्दिर से महान बताया?

यीशु ने कहा कि वह स्वयं मन्दिर से महान हैं।

मत्ती 12:8

मनुष्य के पुत्र, यीशु के पास क्या अधिकार है?

मनुष्य के पुत्र, यीशु, सब्त के दिन का प्रभु है।

मत्ती 12:10

फरीसियों ने आराधनालय में सूखे हाथ वाले व्यक्ति के सामने यीशु से क्या प्रश्न पूछा?

फरीसियों ने यीशु से पूछा, "क्या सब्त के दिन चंगा करना उचित है?"

मत्ती 12:12

यीशु ने क्या कहा कि सब्त के दिन क्या करना उचित है?

यीशु ने कहा कि सब्त के दिन भलाई करना उचित है।

मत्ती 12:14

जब फरीसियों ने यीशु को सूखे हाथ वाले व्यक्ति को चंगा करते देखा तो उन्होंने क्या किया?

फरीसी बाहर जाकर उनके विरुद्ध सम्मति करने लगे, और उन्हें मार डालने का उपाय खोजने लगे।

मत्ती 12:18

यीशु के बारे में यशायाह की भविष्यवाणी में, कौन परमेश्वर का न्याय सुनेगा और यीशु पर विश्वास रखेगा?

अन्यजाति लोग परमेश्वर के न्याय को सुनेंगे और यीशु में विश्वास करेंगे।

मत्ती 12:19–20

यीशु के बारे में यशायाह की भविष्यवाणी में, यीशु क्या नहीं करेंगे?

यीशु झगड़ा नहीं करेंगे, न ही चिल्लाएंगे, कुचले हुए सरकण्डे को न तोड़ेंगे, और धुआँ देती हुई बत्ती को न बुझाएंगे।

मत्ती 12:26

यीशु ने इस आरोप का जवाब कैसे दिया कि वह दुष्टात्माओं को दुष्टात्माओं के सरदार शैतान की सहायता से निकालते हैं?

यीशु ने कहा कि यदि शैतान ही शैतान को निकाले, तो फिर उसका राज्य कैसे बना रहेगा?

मत्ती 12:28

यीशु ने क्या कहा कि यदि वह परमेश्वर के आत्मा के द्वारा दुष्टात्माओं को निकाल रहे थे तो क्या हो रहा था?

यीशु ने कहा कि यदि वह परमेश्वर के आत्मा के द्वारा दुष्टात्माओं को निकलते हैं तो परमेश्वर का राज्य उन के पास आ पहुँचा है।

मत्ती 12:31

यीशु ने किस पाप के बारे में कहा कि उसे क्षमा न किया जाएगा?

यीशु ने कहा कि पवित्र आत्मा की निन्दा क्षमा न की जाएगी।

मत्ती 12:33

एक पेड़ को किस चीज़ से पहचाना जाता है?

एक पेड़ को उसके फलों से पहचाना जाता है।

मत्ती 12:37

यीशु ने फरीसियों को क्या कहकर निर्दोष और दोषी ठहराया?

यीशु ने कहा कि फरीसी अपनी बातों के कारण निर्दोष और दोषी ठहराए जाएँगे।

मत्ती 12:39–40

यीशु ने कहा कि वह इस युग को क्या चिन्ह देंगे?

यीशु ने कहा कि वह इस युग को योना का चिन्ह देंगे, जो तीन दिन और तीन रात पृथ्वी के भीतर रहेंगे।

मत्ती 12:41

यीशु ने कहा कि योना से बड़ा कौन है?

यीशु ने कहा कि वे स्वयं योना से भी बड़े हैं।

मत्ती 12:41 (#2)

नीनवे के लोग यीशु के युग के लोगों को दोषी क्यों ठहराएँगे?

नीनवे के लोग यीशु के युग के लोगों को दोषी ठहराएँगे क्योंकि उन्होंने योना के प्रचार को सुनकर परमेश्वर का वचन सुना, लेकिन यीशु के युग के लोगों ने मनुष्य के पुत्र की भी नहीं सुनी, जो योना से भी बड़े हैं।

मत्ती 12:42

यीशु ने किसे सुलैमान से बड़ा बताया?

यीशु ने कहा कि वे स्वयं सुलैमान से भी बड़े हैं।

मत्ती 12:43–45

यीशु की पीढ़ी उस मनुष्य के समान कैसे होगी जिसमें से अशुद्ध आत्मा निकल जाती है?

यीशु की पीढ़ी उस मनुष्य के समान होगी जिसमें से एक अशुद्ध आत्मा निकल जाती है, क्योंकि अशुद्ध आत्मा सात अन्य आत्माओं के साथ लौट आती है और उस मनुष्य की पिछली दशा पहले से भी बुरी हो जाती है।

मत्ती 12:48–50

यीशु ने किसे अपना भाई, बहन और माता कहा?

यीशु ने कहा कि जो लोग पिता की इच्छा पर चलते हैं वे उनके भाई, बहन और माता हैं।

मत्ती 13:4

यीशु के बीज बोने वाले के दृष्टान्त में, मार्ग के किनारे गिरे बीज का क्या हुआ?

जो बीज मार्ग के किनारे गिरा था, उन्हें पक्षियों ने आकर चुग लिया।

मत्ती 13:5-6

यीशु के बीज बोनेवाले के दृष्टांत में, पथरीली ज़मीन पर गिरे बीज का क्या हुआ?

जो बीज पथरीली भूमि पर गिरा, वह जल्दी उग आया, लेकिन सूरज निकलने पर वो जल गया और सूख गया।

मत्ती 13:7

यीशु के बीज बोनेवाले के दृष्टान्त में, उस बीज का क्या हुआ जो झाड़ियों के बीच गिर गया?

जो बीज झाड़ियों के बीच गिरे, उन्हें झाड़ियों ने दबा डाला।

मत्ती 13:8

यीशु के बीज बोनेवाले के दृष्टान्त में, अच्छी भूमि पर गिरे बीज का क्या हुआ?

अच्छी भूमि पर गिरे बीजों से फल पैदा हुए, कुछ 100 गुना, कुछ 60 गुना, और कुछ 30 गुना।

मत्ती 13:14

यशायाह की भविष्यवाणी में कहा गया था कि लोग सुनेंगे और देखेंगे, लेकिन क्या नहीं होगा?

यशायाह की भविष्यवाणी में कहा गया था कि लोग सुनेंगे, परन्तु समझेंगे नहीं; वे देखेंगे, परन्तु उन्हें कुछ भी नहीं सूझेगा।

मत्ती 13:15

उन लोगों में क्या ग़लती थी जिन्होंने यीशु की बात सुनी लेकिन उसे समझा नहीं?

जिन लोगों ने यीशु को सुना परन्तु समझा नहीं, उनके मन सुस्त थे, वे कानों से ऊँचा सुनते थे, और उन्होंने अपनी आँखें मूँद ली थीं।

मत्ती 13:19

बीज बोने वाले के दृष्टान्त में, मार्ग के किनारे बोया गया बीज किस प्रकार का व्यक्ति है?

मार्ग के किनारे बोया गया बीज वह व्यक्ति है जो राज्य का वचन सुनता है, लेकिन उसे समझ नहीं पाता; फिर दुष्ट आता है और उसके हृदय में जो बोया गया है उसे छीन ले जाता है।

मत्ती 13:20-21

बीज बोनेवाले के दृष्टान्त में, पत्थरीली भूमि पर बोया गया बीज किस प्रकार का व्यक्ति है?

पथरीली भूमि पर बोया गया बीज वह व्यक्ति है जो वचन को सुनता है और तुरन्त आनन्द के साथ उसे मान लेता है, लेकिन जब उत्पीड़न आता है तो तुरन्त ठोकर खा जाता है।

मत्ती 13:22

बीज बोनेवाले के दृष्टान्त में, झाड़ियों के बीच बोया गया बीज किस प्रकार का व्यक्ति है?

झाड़ियों के बीच बोया गया बीज वह व्यक्ति है जो वचन को सुनता है, लेकिन संसार की चिन्ताएँ और धन का धोखा वचन को दबा देता है।

मत्ती 13:23

बीज बोनेवाले के दृष्टान्त में, अच्छी भूमि पर बोया गया बीज किस प्रकार का व्यक्ति है?

अच्छी भूमि पर बोया गया बीज वह व्यक्ति है जो वचन को सुनकर समझता है, और फिर फल लाता है।

मत्ती 13:28

जंगली बीज के दृष्टान्त में, खेत में जंगली बीज किसने बोए थे?

एक शत्रु ने खेत में जंगली बीज बो दिए।

मत्ती 13:30

गृहस्थ ने काटनेवालों को जंगली दाने के पौधे और गेहूँ के बारे में क्या निर्देश दिए?

गृहस्थ ने काटनेवालों से कहा कि वे दोनों को कटाई तक एक साथ बढ़ने दें, और फिर जंगली दाने के पौधे को जलाने के लिए इकट्ठा कर लें, तथा गेहूँ को खत्ते में इकट्ठा करें।

मत्ती 13:31–32

यीशु के राई के दाने के दृष्टान्त में, छोटे राई के बीज का क्या होता है?

राई का दाना सब साग-पात से बड़ा हो जाता है, जिससे पक्षी उसकी डालियों पर बसेरा करते हैं।

मत्ती 13:33

यीशु ने स्वर्ग के राज्य को ख़मीर के समान कैसे कहा?

यीशु ने कहा कि स्वर्ग का राज्य ख़मीर के समान है जो तीन पसेरी आटे में तब तक मिलाया गया जब तक वह ख़मीर न हो गया।

मत्ती 13:37–39

जंगली बीज के दृष्टान्त में, अच्छा बीज कौन बोता है, खेत क्या है, अच्छा बीज कौन है, जंगली बीज कौन हैं, और जंगली बीज किसने बोये?

अच्छे बीज का बोनेवाला मनुष्य का पुत्र है; खेत संसार है; अच्छे बीज राज्य के सन्तान हैं; जंगली बीज दुष्ट के सन्तान हैं, और जंगली बीज का बोनेवाला शैतान है।

मत्ती 13:39

जंगली पौधों के दृष्टान्त में, काटनेवाले कौन हैं और कटनी किसका प्रतिनिधित्व करती है?

काटनेवाले स्वर्गदूत हैं, और कटनी जगत का अन्त है।

मत्ती 13:42

जगत के अन्त में उन लोगों का क्या होगा जो कुकर्म करते हैं?

जगत के अन्त में, जो लोग कुकर्म करते हैं उन्हें आग के कुण्ड में डाल दिया जाएगा।

मत्ती 13:43

जगत के अन्त में धर्मी लोगों का क्या होगा?

जगत के अन्त में धर्मी लोग सूर्य के समान चमकेंगे।

मत्ती 13:44

यीशु के दृष्टान्त में, वह मनुष्य क्या करता है जिसे खेत में छिपा हुआ धन मिल जाता है, जो स्वर्ग के राज्य को दर्शाता है?

जिस व्यक्ति को छिपा हुआ धन मिल जाता है वह अपना सब कुछ बेच देता है और उस खेत को मोल लेता है।

मत्ती 13:45–46

यीशु के दृष्टान्त में, वह व्यक्ति क्या करता है जिसे बहुमूल्य मोती मिल जाता है, जो स्वर्ग के राज्य का प्रतिनिधित्व करता है?

जिस व्यक्ति को एक बहुमूल्य मोती मिल जाता है, वह अपना सब कुछ बेचकर उसे मोल लेता है।

मत्ती 13:47–48

मछली पकड़ने के जाल का दृष्टान्त, जगत के अन्त में होने वाली घटना से किस प्रकार मिलता-जुलता है?

जिस प्रकार जाल में से बेकार चीजों को अच्छी चीजों से अलग करके फेंक दिया गया, उसी प्रकार जगत के अन्त में दुष्टों को धर्मियों से अलग करके आग के भट्टी में डाल दिया जाएगा।

मत्ती 13:54

जब उनके क्षेत्र के लोगों ने यीशु को उपदेश देते सुना तो उन्होंने यीशु के विषय में क्या प्रश्न पूछा?

लोगों ने पूछा, "इसको यह ज्ञान और सामर्थ्य के काम कहाँ से मिले?"

मत्ती 13:57

यीशु ने क्या कहा कि अपने ही नगर में एक भविष्यद्वक्ता के साथ क्या होता है?

यीशु ने कहा कि एक भविष्यद्वक्ता को अपने ही नगर में आदर नहीं मिलता।

मत्ती 13:58

लोगों के अविश्वास के कारण यीशु के अपने क्षेत्र में क्या हुआ?

लोगों के अविश्वास के कारण, यीशु ने अपने क्षेत्र में बहुत से सामर्थ्य के काम नहीं किए।

मत्ती 14:2

हेरोदेस यीशु को क्या समझता था?

हेरोदेस ने सोचा कि यीशु, मरे हुओं में से जी उठे हुए यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले हैं।

मत्ती 14:4

हेरोदेस ने क्या अनुचित काम किया था जिसके बारे में यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने उसे बताया?

हेरोदेस ने अपने भाई की पत्नी से विवाह किया था।

मत्ती 14:5

हेरोदेस ने यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले को तुरन्त क्यों नहीं मार डाला?

हेरोदेस ने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को तुरन्त इसलिए नहीं मार डाला क्योंकि वह लोगों से डरता था जो यूहन्ना को भविष्यद्वक्ता मानते थे।

मत्ती 14:7

हेरोदियास की बेटी ने जब हेरोदेस के जन्मदिन पर उसके लिए नृत्य किया तो उसने क्या किया?

हेरोदेस ने शपथ खाकर वचन दिया कि हेरोदियास की बेटी जो कुछ भी माँगेगी, वह उसे देगा।

मत्ती 14:8

हेरोदियास की बेटी ने किस चीज़ की मांग की?

अपनी माता को प्रसन्न करने के लिए, उसने एक थाल में यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले का सिर माँगा।

मत्ती 14:9

हेरोदेस ने हेरोदियास की बेटी की माँग पूरी क्यों करी?

हेरोदेस ने अपनी शपथ के कारण तथा अपने साथ भोजन पर बैठनेवालों के कारण लड़की को उसकी माँग दे दी।

मत्ती 14:14

जब यीशु ने देखा कि एक बड़ी भीड़ उनके पीछे आ रही है, तो उनकी क्या प्रतिक्रिया थी?

यीशु को उन पर तरस खाया और उन्होंने उनके बीमारों को चंगा किया।

मत्ती 14:16

यीशु ने अपने चेलों को भीड़ के लिए क्या करने की चुनौती दी?

यीशु ने अपने चेलों को चुनौती दी कि वे भीड़ को कुछ खाने को दें।

मत्ती 14:19

यीशु ने उन पाँच रोटियों और दो मछलियों का क्या किया जो चेले उनके पास लाए थे?

यीशु ने स्वर्ग की ओर देखा, धन्यवाद दिया और रोटियाँ तोड़-तोड़कर चेलों को दीं ताकि वे भीड़ को दें।

मत्ती 14:20–21

कितने लोगों ने भोजन किया, और कितना भोजन बच गया?

लगभग पाँच हजार पुरुषों ने खाया, इसके अलावा स्त्रियाँ और बालक भी थे, और बारह टोकरियाँ बच गई थी।

मत्ती 14:23

भीड़ को विदा करने के बाद यीशु ने क्या किया?

यीशु अकेले प्रार्थना करने के लिए पहाड़ पर चढ़ गए।

मत्ती 14:24

झील के बीच में चेलों के साथ क्या हो रहा था?

हवा और लहरों के कारण चेलों की नाव लगभग डगमगा रही थी।

मत्ती 14:25

यीशु चेलों के पास कैसे पहुँचे?

यीशु झील पर चलते हुए चेलों के पास गए।

मत्ती 14:27

जब यीशु को चेलों ने देखा तो उन्होंने उनसे क्या कहा?

यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वे धैर्य रखें और डरें नहीं।

मत्ती 14:29

यीशु ने पतरस को आकर क्या करने को कहा?

यीशु ने पतरस से कहा कि आओ और पानी पर चलो।

मत्ती 14:30

पतरस पानी में क्यों डूबने लगे?

जब पतरस डर गया, तो वह पानी में डूबने लगे।

मत्ती 14:32

जब यीशु और पतरस नाव में चढ़ गए, तब क्या हुआ?

जब पतरस और यीशु नाव में चढ़ गए, तो हवा थम गई।

मत्ती 14:33

जब चेलों ने यह देखा, तो उन्होंने क्या किया?

जब चेलों ने यह देखा, तो उन्होंने यीशु की आराधना की और कहा कि वह परमेश्वर के पुत्र हैं।

मत्ती 14:35

जब यीशु और उनके चेले झील के दूसरी ओर पहुँचे, तो लोगों ने क्या किया?

जब यीशु और उनके चेले झील के दूसरी ओर पहुँचे, तो लोग सब बीमारों को उनके पास लाए।

मत्ती 15:4–6

यीशु ने क्या उदाहरण दिया कि कैसे फरीसियों ने अपनी परम्पराओं के द्वारा परमेश्वर के वचन को टाल दिया?

फरीसी बच्चों को अपने माता-पिता की मदद करने से रोकते थे क्योंकि वे उस पैसे को "परमेश्वर को चढ़ाया गया भेंट" समझते थे।

मत्ती 15:7–8

यशायाह ने फरीसियों के होठों और मन के बारे में क्या भविष्यवाणी की?

यशायाह ने भविष्यद्वाणी की थी कि फरीसी अपने होंठों से परमेश्वर का आदर करेंगे, लेकिन उनका मन परमेश्वर से दूर होगा।

मत्ती 15:9

परमेश्वर का वचन सिखाने के बजाय, फरीसी धर्मोपदेश के रूप में क्या सिखा रहे थे?

फरीसी लोग विधियों को धर्मोपदेश के रूप में सिखा रहे थे।

मत्ती 15:11

यीशु ने क्या कहा जो मनुष्य को अशुद्ध नहीं करता?

यीशु ने कहा कि जो कुछ मनुष्य खाता है, वह उसे अशुद्ध नहीं करता।

मत्ती 15:11 (#2)

यीशु ने क्या कहा जो एक मनुष्य को अशुद्ध करता है?

यीशु ने कहा कि एक मनुष्य के मुँह से जो निकलता है, वही उसे अशुद्ध करता है।

मत्ती 15:14

यीशु ने फरीसियों को क्या कहा, और उन्होंने कहा कि उनके साथ क्या होगा?

यीशु ने फरीसियों को अंधे मार्ग दिखानेवाले कहा और कहा कि वे एक गड्ढे में गिर पड़ेंगे।

मत्ती 15:19

कौन-कौन सी बातें मन ही से निकलती हैं, जो मनुष्य को अशुद्ध करती हैं?

बुरे विचार, हत्या, परस्त्रीगमन, व्यभिचार, चोरी, झूठी गवाही और निन्दा मन ही से निकलती हैं।

मत्ती 15:23

जब कनानी स्त्री ने यीशु से दया की गुहार लगाई तो उन्होंने सबसे पहले क्या किया?

यीशु ने उसे कुछ उत्तर न दिया।

मत्ती 15:24

यीशु ने कनानी स्त्री की सहायता न करने का क्या कारण बताया?

यीशु ने समझाया कि उन्हें केवल इस्राएल के घराने की खोई हुई भेड़ों के पास ही भेजा गया है।

मत्ती 15:28

जब कनानी स्त्री ने स्वयं को दीन किया, तब यीशु ने उससे क्या कहा और उसके लिए क्या किया?

यीशु ने कहा कि उस स्त्री का विश्वास बड़ा था, और उन्होंने उसकी प्रार्थना स्वीकार कर ली।

मत्ती 15:30–31

गलील में यीशु के पास आने वाली बड़ी भीड़ के लिए उन्होंने क्या किया?

यीशु ने गूँगों, लँगड़ों, टुण्डों और अंधों को चंगा किया।

मत्ती 15:34

भीड़ को खिलाने के लिए चेलों के पास कितनी रोटियाँ और मछलियाँ थीं?

चेलों के पास सात रोटियाँ और थोड़ी सी छोटी मछलियाँ थीं।

मत्ती 15:36

यीशु ने रोटियों और मछलियों के साथ क्या किया?

यीशु ने रोटियों और मछलियों को लिया, धन्यवाद दिया, रोटियाँ तोड़ीं और उन्हें अपने चेलों को देते गए।

मत्ती 15:37

सब लोगों के खाने के बाद कितना भोजन बच गया था?

सब लोगों के खाने के बाद भरे हुए सात टोकरे बच गए थे।

मत्ती 15:38

कितने लोगों ने रोटियाँ और मछली खाईं और संतुष्ट हुए?

4,000 पुरुषों के अलावा स्त्रियाँ और बालक भी थे, जिन्होंने खाया और संतुष्ट हुए।

मत्ती 16:1

फरीसी और सदूकी यीशु को परखने के लिए क्या चिन्ह देखना चाहते थे?

फरीसी और सदूकी यीशु से स्वर्ग का कोई चिन्ह देखना चाहते थे।

मत्ती 16:4

यीशु ने फरीसियों और सदूकियों को क्या देने को कहा?

यीशु ने कहा कि वह फरीसियों और सदूकियों को योना का चिन्ह देंगे।

मत्ती 16:6

यीशु ने अपने चेलों को किस बात से सावधान रहने को कहा?

यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वे फरीसियों और सदूकियों के ख़मीर से सावधान रहें।

मत्ती 16:12

जब यीशु ने अपने चेलों से सावधान रहने को कहा तो वह वास्तव में किस बारे में बात कर रहे थे?

यीशु अपने चेलों से कह रहे थे कि वे फरीसियों और सदूकियों की शिक्षा से सावधान रहें।

मत्ती 16:13

जब यीशु के चेले कैसरिया फिलिप्पी आए तो उन्होंने उनसे क्या प्रश्न पूछा?

यीशु ने अपने चेलों से पूछा, "लोग मनुष्य के पुत्र को क्या कहते हैं?"

मत्ती 16:14

कुछ लोगों का कहना क्या था कि यीशु कौन थे?

कुछ लोगों का कहना था कि यीशु यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले, या एलिय्याह, या यिर्मयाह, या भविष्यद्वक्ताओं में से एक थे।

मत्ती 16:16

पतरस ने यीशु के प्रश्न का क्या उत्तर दिया?

पतरस ने उत्तर दिया, "तू जीविते परमेश्वर का पुत्र मसीह है।"

मत्ती 16:17

पतरस को यीशु के प्रश्न का उत्तर कैसे पता था?

पतरस को यीशु के प्रश्न का उत्तर पता था क्योंकि पिता ने यह बात उस पर प्रकट की थी।

मत्ती 16:19

यीशु ने पतरस को पृथ्वी पर कौन सा अधिकार प्रदान किया?

यीशु ने पतरस को स्वर्ग के राज्य की कुँजियाँ दीं, ताकि वह पृथ्वी पर जो कुछ बाँधे या खोलें, वह स्वर्ग में भी बाँधा या खोला जाए।

मत्ती 16:21

उस समय से, यीशु ने अपने चेलों को स्पष्ट रूप से क्या बताना शुरू किया?

यीशु ने अपने चेलों को बताना शुरू किया कि उन्हें अवश्य यरूशलेम जाना होगा, बहुत दुःख उठाने होंगे, वह मार डाले जाएँगे, और तीसरे दिन जी उठेंगे।

मत्ती 16:23

जब पतरस ने यीशु द्वारा बताई गई बात पर आपत्ति की, तो यीशु ने पतरस से क्या कहा?

यीशु ने पतरस से कहा, "हे शैतान, मेरे सामने से दूर हो"!

मत्ती 16:24

जो कोई यीशु के पीछे आना चाहता है उसे क्या करना चाहिए?

जो कोई यीशु के पीछे आना चाहता है, उसे अपने आपका इन्कार करना होगा और अपना क्रूस उठाना होगा।

मत्ती 16:26

यीशु ने किस बात के लिए कहा कि मनुष्य को उससे लाभ नहीं होता?

यीशु ने कहा कि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे, और अपने प्राण की हानि उठाए तो उसे कुछ भी लाभ नहीं होता है।

मत्ती 16:27

यीशु ने कहा कि मनुष्य के पुत्र कैसे आएँगे?

यीशु ने कहा कि मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों के साथ अपने पिता की महिमा में आएँगे।

मत्ती 16:27 (#2)

जब मनुष्य के पुत्र आएँगे, तो वह प्रत्येक व्यक्ति को कैसे प्रतिफल देंगे?

जब मनुष्य के पुत्र आएँगे तब वह प्रत्येक व्यक्ति को उसके कामों के अनुसार प्रतिफल देंगे।

मत्ती 16:28

यीशु ने किससे कहा कि वह मनुष्य के पुत्र को उनके राज्य में आते हुए देखेंगे?

यीशु ने कहा कि उनके साथ वहाँ खड़े कुछ लोग मनुष्य के पुत्र को उनके राज्य में आते हुए देखेंगे।

मत्ती 17:1

यीशु के साथ ऊँचे पहाड़ पर कौन गया था?

पतरस, याकूब, और यूहन्ना यीशु के साथ एक ऊँचे पहाड़ पर गए थे।

मत्ती 17:2

पहाड़ पर यीशु के रूप को क्या हुआ?

यीशु का रूपान्तरण हुआ, जिससे उनका मुँह सूर्य के समान चमकने लगा, और उनके वस्त्र ज्योति के समान उजाले हो गए।

मत्ती 17:3

यीशु के साथ कौन प्रकट हुए और उनसे बातें की?

मूसा और एलिय्याह प्रकट हुए और यीशु से बातें की।

मत्ती 17:4

पतरस ने क्या करने का प्रस्ताव दिया?

पतरस ने तीनों पुरुषों के लिए तीन तम्बू बनाने का प्रस्ताव रखा।

मत्ती 17:5

बादल में से निकलने वाले शब्द ने क्या कहा था?

बादल में से यह शब्द निकला, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं प्रसन्न हूँ: इसकी सुनो।"

मत्ती 17:9

जब चेले पहाड़ से नीचे उतर रहे थे तो यीशु ने उन्हें क्या निर्देश दिया था?

यीशु ने चेलों को निर्देश दिया था कि जो कुछ उन्होंने देखा है उसके बारे में वे किसी को न बताएँ जब तक कि मनुष्य का पुत्र मरे हुओं में से न जी उठे।

मत्ती 17:11

यीशु ने शास्त्रियों की इस शिक्षा के बारे में क्या कहा कि एलिय्याह को पहले आना होगा?

यीशु ने कहा कि एलिय्याह तो अवश्य आएगा और सब कुछ सुधारेगा।

मत्ती 17:12–13

यीशु ने कहा कि वह एलिय्याह कौन था जो पहले ही आ चुका था, और उसके साथ क्या किया गया था?

यीशु ने कहा कि यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला वह एलिय्याह था जो पहले ही आ चुका था, और उन्होंने जैसा चाहा वैसा ही उनके साथ किया।

मत्ती 17:14–16

चेले मिर्गी से पीड़ित लड़के के लिए क्या करने में सक्षम थे?

चेले मिर्गी से पीड़ित लड़के को चंगा नहीं कर पाए।

मत्ती 17:18

यीशु ने मिर्गी से पीड़ित लड़के के लिए क्या किया?

यीशु ने दुष्टात्मा को डाँटा, और लड़का उसी समय अच्छा हो गया।

मत्ती 17:20

चेलों के लिए मिर्गी से पीड़ित लड़के को ठीक करना संभव क्यों नहीं हो पाया?

यीशु ने कहा कि उनके विश्वास की कमी के कारण वे मिर्गी से पीड़ित लड़के को चंगा नहीं कर सके।

मत्ती 17:22–23

यीशु ने अपने चेलों से क्या कहा जिससे वे बहुत उदास हो गए?

यीशु ने अपने चेलों से कहा कि उन्हें उन मनुष्यों के हाथ में पकड़वाया जाएगा जो उन्हें मार डालेंगे, और वे तीसरे दिन जी उठेंगे।

मत्ती 17:27

पतरस और यीशु ने आधा-शेकेल कर कैसे अदा किया?

यीशु ने पतरस से कहा कि वह झील के किनारे जाकर, बंसी डाले, और जो मछली पहले निकले उसे ले, उसके मुँह में कर देने के लिए एक सिक्का होगा।

मत्ती 18:3

यीशु ने क्या कहा कि स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लिए हमें क्या करना होगा?

यीशु ने कहा कि हमें मन फिराना होगा और स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लिए बालकों के समान बनना होगा।

मत्ती 18:4

यीशु ने कहा कि स्वर्ग के राज्य में सबसे बड़ा कौन है?

यीशु ने कहा कि जो कोई अपने आप को एक बालक के समान छोटा करता है, वह स्वर्ग के राज्य में सबसे बड़ा है।

मत्ती 18:6

जो कोई यीशु पर विश्वास करने वाले इन छोटों में से किसी एक को पाप करने के लिए प्रेरित करता है, उसका क्या होता है?

जो कोई यीशु पर विश्वास करने वाले इन छोटों में से किसी एक को पाप करने के लिए उकसाता है, उसके लिए बेहतर होगा कि उसके गले में चक्की का पाट लटका दिया जाए और उसे समुद्र में डुबा दिया जाए।

मत्ती 18:8

यीशु ने क्या कहा कि हमें ऐसी किसी भी चीज़ के साथ क्या करना चाहिए जो हमारे लिये ठोकर खिलाने का कारण बनती है?

यीशु ने कहा कि हमें हर उस चीज़ को फेंक देना चाहिए जो हमारे लिये ठोकर खिलाने का कारण बनती है।

मत्ती 18:10

यीशु ने ऐसा क्यों कहा कि हमें छोटों में से किसी को तुच्छ नहीं जानना चाहिए?

हमें छोटों को तुच्छ नहीं जानना चाहिए, क्योंकि उनके स्वर्गदूत पिता का मुँह सदा देखते हैं।

मत्ती 18:12–14

जो व्यक्ति एक खोई हुई भेड़ को ढूँढ़ता है, वह स्वर्ग में पिता के समान कैसे हो सकता है?

पिता की भी यह इच्छा नहीं है कि छोटों में से एक भी नाश हो जाए।

मत्ती 18:15

यदि तेरा भाई तेरे विरुद्ध अपराध करता है, तो तुझे सबसे पहले क्या करना चाहिए?

सबसे पहले, तुझे अकेले में जाकर उसे तेरे और उसके बीच की गलती बतानी चाहिए।

मत्ती 18:16

यदि तेरा भाई तेरी बात न सुने तो तुझे दूसरी कौन सी चीज़ करना चाहिए?

दूसरी चीज़, तुझे अपने साथ एक या दो और भाइयों को गवाह के रूप में ले जाना चाहिए।

मत्ती 18:17

यदि तेरा भाई अभी भी नहीं सुने, तो तुझे तीसरी चीज़ क्या करनी चाहिए?

तीसरी चीज़, तुझे यह मामला कलीसिया से कह देना चाहिए।

मत्ती 18:17 (#2)

यदि तेरा भाई फिर भी नहीं सुनता है, तो क्या किया जाना चाहिए?

अन्त में, यदि वह कलीसिया की भी नहीं सुनता है, तो उसे एक अन्यजाति और चुंगी लेनेवाले के रूप में जानना चाहिए।

मत्ती 18:20

यीशु ने क्या वादा किया जहाँ दो या तीन उनके नाम पर इकट्ठे होते हैं?

यीशु ने वादा किया कि जब दो या तीन उनके नाम पर इकट्ठा होते हैं, तो वे उनके बीच में होते हैं।

मत्ती 18:21–22

यीशु ने कितनी बार कहा कि हमें अपने भाई को क्षमा करना चाहिए?

यीशु ने कहा कि हमें अपने भाई को सात बार के सत्तर गुने तक क्षमा करना चाहिए।

मत्ती 18:24–25

सेवक पर उसके स्वामी का क्या कर्ज था, और क्या वह अपने स्वामी को वह चुका सकता था?

सेवक पर उसके स्वामी का दस हजार तोड़े का कर्ज था, जिसे वह चुका नहीं सकता था।

मत्ती 18:27

स्वामी ने सेवक का कर्ज क्यों क्षमा कर दिया?

स्वामी ने तरस खाकर सेवक का कर्ज क्षमा कर दिया।

मत्ती 18:30

उस दास ने अपने साथी दास के साथ क्या किया जिस पर उसका सौ दीनार का कर्ज था?

उस दास ने धीरज नहीं धरा और अपने साथी दास को बन्दीगृह में डाल दिया।

मत्ती 18:33

स्वामी ने दास से क्या कहा कि उसे साथी दास के साथ क्या करना चाहिए था?

स्वामी ने दास से कहा कि उसे अपने साथी दास पर दया करनी चाहिए थी।

मत्ती 18:34

फिर स्वामी ने दास के साथ क्या किया?

स्वामी ने दास को दण्ड देनेवालों के हाथ में सौंप दिया कि जब तक वह सब कर्जा भर न दे।

मत्ती 18:35

यीशु ने क्या कहा कि यदि हम अपने भाई को मन से क्षमा नहीं करेंगे तो पिता क्या करेंगे?

यीशु ने कहा कि यदि हम अपने भाई को मन से क्षमा नहीं करेंगे तो पिता हमारे साथ वैसा ही करेंगे जैसा स्वामी ने अपने दास के साथ किया था।

मत्ती 19:3

यीशु की परीक्षा लेने के लिए फरीसियों ने उनसे क्या प्रश्न पूछा?

फरीसियों ने यीशु से पूछा, "क्या हर एक कारण से अपनी पत्नी को त्यागना उचित है?"

मत्ती 19:4

यीशु ने क्या कहा जो सृष्टि के आरम्भ से सत्य था?

यीशु ने कहा कि सृष्टि के आरम्भ से ही परमेश्वर ने उन्हें नर और नारी बनाया था।

मत्ती 19:5

चूँकि परमेश्वर ने उन्हें नर और नारी बनाया था, इसलिए यीशु ने क्या कहा कि एक पति को करना चाहिए?

यीशु ने कहा कि एक पति को अपने माता-पिता को छोड़कर अपनी पत्नी के साथ एक तन हो जाना चाहिए।

मत्ती 19:5–6

यीशु ने क्या कहा कि जब पति अपनी पत्नी के साथ रहेगा तो क्या होता है?

यीशु ने कहा कि जब एक पति अपनी पत्नी के साथ रहेगा, तो वे दोनों एक तन होते हैं।

मत्ती 19:6

यीशु ने क्या कहा कि जिसे परमेश्वर ने जोड़ा है, मनुष्य को उसके साथ क्या नहीं करना चाहिए?

यीशु ने कहा कि जिसे परमेश्वर ने जोड़ा है, उसे मनुष्य अलग न करे।

मत्ती 19:7–8

यीशु ने क्यों कहा कि मूसा ने त्यागपत्र देने का आदेश दिया था?

यीशु ने कहा कि मूसा ने यहूदियों के मन की कठोरता के कारण त्यागपत्र देने का आदेश दिया था।

मत्ती 19:9

यीशु ने कहा कि व्यभिचार कौन करता है?

यीशु ने कहा कि जो कोई व्यभिचार को छोड़ और किसी कारण से अपनी पत्नी को त्याग कर, दूसरी से विवाह करे, वह व्यभिचार करता है, और जो उस छोड़ी हुई से विवाह करे, वह भी व्यभिचार करता है।

मत्ती 19:13

जब कुछ बालकों को यीशु के पास लाया गया तो चेलों ने क्या किया?

जब कुछ बालकों को यीशु के पास लाया गया तो चेलों ने उन्हें डाँटा।

मत्ती 19:14

जब यीशु ने बालकों को देखा, तो उन्होंने क्या कहा?

यीशु ने कहा कि बालकों को मेरे पास आने दो, और उन्हें मना न करो, क्योंकि स्वर्ग का राज्य ऐसों ही का है।

मत्ती 19:16–17

यीशु ने उस नवयुवक से क्या कहा कि उसे अनन्त जीवन में प्रवेश करने के लिए क्या करना होगा?

यीशु ने उस नवयुवक से कहा कि अनन्त जीवन में प्रवेश करने के लिए उसे आज्ञाओं को मानना होगा।

मत्ती 19:20–21

जब उस नवयुवक ने कहा कि उसने आज्ञाओं का पालन किया है, तो यीशु ने उसे क्या करने के लिए कहा?

जब उस नवयुवक ने कहा कि उसने आज्ञाओं का पालन किया है, तो यीशु ने उससे कहा कि अपना सब कुछ बेचकर गरीबों को बाँट दे।

मत्ती 19:22

यीशु की इस आज्ञा पर कि वह अपना सब कुछ बेच दे, उस नवयुवक ने कैसी प्रतिक्रिया दिखाई?

नवयुवक उदास होकर चला गया क्योंकि वह बहुत धनी था।

मत्ती 19:26

यीशु ने एक धनवान व्यक्ति के स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने की सम्भावना के बारे में क्या कहा?

यीशु ने कहा कि मनुष्यों से तो यह नहीं हो सकता, परन्तु परमेश्वर से सब कुछ हो सकता है।

मत्ती 19:28

यीशु ने अपने चेलों को, जो उसके पीछे चले थे, क्या प्रतिफल देने का वादा किया?

यीशु ने अपने चेलों से वादा किया कि नई उत्पत्ति में, वे बारह सिंहासनों पर बैठकर इस्राएल के बारह गोत्रों का न्याय करेंगे।

मत्ती 19:30

यीशु ने उन लोगों के बारे में क्या कहा जो अब पहले हैं और जो अब पिछले हैं?

यीशु ने कहा कि जो अभी पहले हैं, वे पिछले होंगे, और जो अभी पिछले हैं, वे पहले होंगे।

मत्ती 20:1–2

गृहस्थ ने उन मज़दूरों को कितना वेतन देने पर सहमति जताई जिन्हें उसने सवेरे काम पर रखा था?

गृहस्थ ने सवेरे काम पर रखे गए मजदूरों को एक रोज के लिए एक दीनार देने पर सहमति जताई।

मत्ती 20:4

गृहस्थ ने कहा कि वह तीसरे पहर काम पर रखे गए मज़दूरों को कितना वेतन देगा?

गृहस्थ ने कहा कि वह जो कुछ ठीक है वही उन्हें देंगे ।

मत्ती 20:9

जिन मजदूरों को एक घंटा भर दिन रहे काम पर रखा गया था, उन्हें कितनी मजदूरी मिली?

घंटा भर दिन रहे काम पर रखे गए मजदूरों को भी एक दीनार मजदूरी मिली।

मत्ती 20:11–12

सवेरे काम पर रखे गए मजदूरों की क्या शिकायत थी?

उन्होंने शिकायत करी कि उन्होंने दिन भर काम किया था, लेकिन उन्हें उतनी ही मजदूरी मिली जितनी एक घंटे काम करने वालों को मिली थी।

मत्ती 20:13–14

मजदूरों की शिकायत पर गृह स्वामी ने क्या प्रतिक्रिया दी?

गृह स्वामी ने कहा कि उसने मजदूरों के साथ कोई अन्याय नहीं किया और उनके लिये जितना ठहराया गया था वह उन्हें दिया।

मत्ती 20:17–19

यीशु ने अपने चेलों को यरूशलेम जाते समय किन घटनाओं के बारे में पहले से बताया था?

यीशु ने अपने चेलों से कहा कि उन्हें प्रधान याजकों और शास्त्रियों के हाथ पकड़वाया जाएगा, उन्हें घात के योग्य ठहराया जाएगा, क्रूस पर चढ़ाया जाएगा, और तीसरे दिन वह जिलाया जाएगा।

मत्ती 20:20–21

जब्दी के पुत्रों की माता ने यीशु से क्या माँग करी?

वह चाहती थी कि यीशु यह आदेश दें कि उसके दोनों पुत्र उनके राज्य में उनके दाहिने और बाएँ बैठें।

मत्ती 20:23

यीशु ने किसके बारे में कहा कि वह यह निर्धारित करेंगे कि उनके राज्य में उनके दाहिने और बाएँ कौन बैठेगा?

यीशु ने कहा कि जिन्हें पिता ने चुना है उनके लिये उन्होंने उन स्थानों को तैयार किया है।

मत्ती 20:26

यीशु ने कैसे कहा कि उनके चेलों में कोई बड़ा हो सकता है?

यीशु ने कहा कि जो कोई बड़ा होना चाहता है, उसे एक सेवक बनना होगा।

मत्ती 20:28

यीशु ने यह क्यों कहा कि वे आए थे?

यीशु ने कहा कि वह सेवा करने और बहुतों के छुटकारे के लिये अपने प्राण देने आए थे।

मत्ती 20:30

जब यीशु वहाँ से निकले तो सड़क के किनारे बैठे दो अंधे व्यक्तियों ने क्या किया?

दो अंधे व्यक्ति पुकारकर कहने लगे, "हे प्रभु, दाऊद की सन्तान, हम पर दया कर"।

मत्ती 20:34

यीशु ने उन दो अंधे व्यक्तियों को चंगा क्यों किया?

यीशु ने उन दो अंधे व्यक्तियों को चंगा किया क्योंकि वह तरस से भर गए थे।

मत्ती 21:2

यीशु ने अपने दो चेलों से क्या कहा कि उन्हें उनके सामने वाले गाँव में क्या मिलेगा?

यीशु ने कहा कि उनको एक गदही बंधी हुई मिलेगी, और उसके साथ एक बच्चा भी मिलेगा।

मत्ती 21:4–5

इस घटना के बारे में भविष्यद्वक्ता ने क्या भविष्यवाणी की थी?

एक भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी कि राजा एक गदहे पर आएँगे, वरन् एक लादू के बच्चे पर आएँगे।

मत्ती 21:8

यीशु जिस मार्ग से यरूशलेम जा रहे थे, भीड़ ने उस पर क्या किया?

भीड़ में से बहुत सारे लोगों ने अपने कपड़े मार्ग पर बिछा दिए, और अन्य लोगों ने पेड़ों से डालियाँ काटकर मार्ग में बिछाईं।

मत्ती 21:9

यीशु के जाते समय भीड़ क्या पुकार रही थी?

भीड़ पुकार पुकारकर कहती थी, "दाऊद के सन्तान को होशाना; धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है, आकाश में होशाना"।

मत्ती 21:12

जब यीशु यरूशलेम में परमेश्वर के मन्दिर में दाखिल हुए तो उन्होंने क्या किया?

यीशु ने उन सब को बाहर निकाल दिया जो मन्दिर में लेन-देन कर रहे थे, और सर्राफों के मेजें और कबूतरों के बेचनेवालों की चौकियाँ उलट दीं।

मत्ती 21:13

यीशु ने क्या कहा कि व्यापारियों ने परमेश्वर के घर को क्या बना दिया है?

यीशु ने कहा कि व्यापारियों ने परमेश्वर के घर को डाकुओं की खोह बना दिया है।

मत्ती 21:15–16

जब प्रधान याजकों और शास्त्रियों ने लड़कों द्वारा यीशु के बारे में पुकारने पर आपत्ति की, तो यीशु ने उनसे क्या कहा?

यीशु ने उस भविष्यद्वक्ता को उद्धृत किया जिसने कहा कि बालकों और दूध पीते बच्चों के मुँह से परमेश्वर ने स्तुति सिद्ध कराई।

मत्ती 21:18–19

यीशु ने अंजीर के पेड़ के साथ क्या किया, और क्यों?

यीशु ने अंजीर के पेड़ को सूखने के लिए कहा क्योंकि उस पर फल नहीं लगे थे।

मत्ती 21:20–22

अंजीर के पेड़ के सूखने से यीशु ने अपने चेलों को प्रार्थना के बारे में क्या सिखाया?

यीशु ने अपने चेलों को सिखाया कि यदि वे प्रार्थना में विश्वास से माँगेगे, तो उन्हें मिलेगा।

मत्ती 21:23

जब यीशु उपदेश दे रहे थे, तब प्रधान याजकों और लोगों के प्राचीनों ने उनसे किस बारे में प्रश्न पूछे?

प्रधान याजक और लोगों के प्राचीन यह जानना चाहते थे कि यीशु ने ये काम किसके अधिकार से किए।

मत्ती 21:25

यीशु ने प्रधान याजकों और लोगों के प्राचीनों से क्या प्रश्न पूछा?

यीशु ने उनसे पूछा कि वे क्या सोचते हैं कि यूहन्ना का बपतिस्मा स्वर्ग की ओर से या मनुष्यों की ओर से था।

मत्ती 21:25 (#2)

प्रधान याजकों और लोगों के प्राचीनों ने यह उत्तर क्यों नहीं देना चाहा कि यूहन्ना का बपतिस्मा स्वर्ग से था?

वे जानते थे कि यीशु उनसे पूछेंगे कि फिर उन्होंने यूहन्ना का विश्वास क्यों नहीं किया।

मत्ती 21:26

प्रधान याजकों और लोगों के प्राचीनों ने यह उत्तर क्यों नहीं देना चाहा कि यूहन्ना का बपतिस्मा मनुष्यों की ओर से था?

वे भीड़ से डरते थे, जो यूहन्ना को भविष्यद्वक्ता मानती थी।

मत्ती 21:28–29

यीशु की दो पुत्रों की कहानी में, जब पहले पुत्र को दाख की बारी में काम करने के लिए कहा गया, तो उसने क्या किया?

पहले पुत्र ने कहा कि वह नहीं जाएगा, परन्तु बाद में उसने अपना मन बदल लिया और चला गया।

मत्ती 21:30

जब दूसरे पुत्र को दाख की बारी में काम करने के लिए कहा गया तो उसने क्या किया?

दूसरे पुत्र ने कहा कि वह जाएगा, परन्तु बाद में नहीं गया।

मत्ती 21:31

दोनों पुत्रों में से किसने पिता की इच्छा पूरी की?

पहले पुत्र ने।

मत्ती 21:31–32

यीशु ने ऐसा क्यों कहा कि चुंगी लेने वाले और वेश्याएं प्रधान याजकों और शास्त्रियों से पहले परमेश्वर के राज्य में प्रवेश कर रहे थे?

यीशु ने कहा कि वे राज्य में प्रवेश कर रहे थे क्योंकि उन्होंने यूहन्ना पर विश्वास किया था, परन्तु प्रधान याजकों और शास्त्रियों ने यूहन्ना पर विश्वास नहीं किया।

मत्ती 21:35–36

दाख की बारी के किसानों ने उन दासों के साथ क्या किया जिन्हें गृहस्थ ने उसके फल लाने के लिए भेजा था?

दाख की बारी के किसानों ने दासों को पीटा, मार डाला और पथराव किया।

मत्ती 21:37

अन्त में गृहस्थ ने दाख की बारी में काम करने वालों के पास किसे भेजा?

अन्त में गृहस्थ ने अपने पुत्र को भेजा।

मत्ती 21:38–39

गृहस्थ द्वारा अन्त में भेजे गए व्यक्ति के साथ किसानों ने क्या किया?

किसानों ने गृहस्थ के पुत्र को मार डाला।

मत्ती 21:40–41

लोगों ने कहा कि उस स्वामी को क्या करना चाहिए?

लोगों ने कहा कि उस स्वामी को पहले किसानों को बुरी रीति से नाश करना चाहिए और फिर दाख की बारी का ठेका दूसरे किसानों को देना चाहिए, जो समय पर उसे फल दिया करेंगे।

मत्ती 21:42

यीशु द्वारा उद्धृत पवित्रशास्त्र में, उस पत्थर का क्या होता है जिसे राजमिस्त्रियों ने बेकार समझा?

जिस पत्थर को राजमिस्त्रियों ने बेकार समझा था, वही कोने के सिरे का पत्थर हुआ है।

मत्ती 21:43

यीशु ने जिस पवित्रशास्त्र का हवाला दिया, उसके आधार पर उन्होंने क्या कहा कि क्या होगा?

यीशु ने कहा कि परमेश्वर का राज्य प्रधान याजकों और फरीसियों से ले लिया जाएगा, और उसे ऐसी जाति को जो उसका फल लाए दे दिया जाएगा।

मत्ती 21:46

प्रधान याजकों और फरीसियों ने यीशु पर तुरन्त हाथ क्यों नहीं डाला?

वे लोगों से डरते थे, क्योंकि लोग यीशु को एक भविष्यद्वक्ता मानते थे।

मत्ती 22:5–6

जब राजा के दास राजा के पुत्र के विवाह के भोज का निमंत्रण लेकर आए, तो आमंत्रित लोगों ने क्या किया?

कुछ लोगों ने निमंत्रण को गंभीरता से नहीं लिया और अपने कामों में लग गए, और अन्य लोगों ने राजा के दासों पर हाथ डालकर उन्हें मार डाला।

मत्ती 22:7

राजा ने विवाह भोज में सबसे पहले आमंत्रित लोगों के साथ क्या किया?

राजा ने अपनी सेना भेजकर उन हत्यारों को नाश किया, और उनके नगर को फूँक दिया।

मत्ती 22:9–10

राजा ने फिर विवाह के भोज में किन्हें आमंत्रित किया?

राजा ने अपने दासों को जितने भी लोग मिल सके, उन्हें आमंत्रित किया, चाहे वे भले हों या बुरे।

मत्ती 22:13

राजा ने उस मनुष्य के साथ क्या किया जो विवाह के वस्त्र पहने बिना ही भोज में आया था?

राजा ने उसे बाँधकर बाहर अंधियारे में डाल दिया।

मत्ती 22:15

फरीसी यीशु के साथ क्या करने का प्रयास कर रहे थे?

फरीसी यीशु को उनकी ही बातों में फँसाने का प्रयास कर रहे थे।

मत्ती 22:17

फरीसियों के चेलों ने यीशु से क्या सवाल पूछा?

उन्होंने यीशु से पूछा कि क्या कैसर को कर देना उचित है, कि नहीं।

मत्ती 22:21

यीशु ने फरीसियों के चेलों के प्रश्न का उत्तर किस प्रकार दिया?

यीशु ने कहा कि जो कैसर का है, वह कैसर को; और जो परमेश्वर का है, वह परमेश्वर को दो।

मत्ती 22:23

सदूकियों का पुनरुत्थान के बारे में क्या विश्वास था?

सदूकियों का विश्वास था कि पुनरुत्थान है ही नहीं।

मत्ती 22:26–27

सदूकियों की कहानी में, उस पत्नी के कितने पति थे?

उस स्त्री के सात पति थे।

मत्ती 22:29

यीशु ने कौन सी दो बातें कहीं जो सदूकी नहीं जानते थे?

यीशु ने कहा कि सदूकी न तो पवित्रशास्त्र और न परमेश्वर की सामर्थ्य को जानते थे।

मत्ती 22:30

पुनरुत्थान में यीशु ने विवाह के बारे में क्या कहा?

यीशु ने कहा कि जी उठने पर विवाह-शादी न होगी।

मत्ती 22:32

यीशु ने पवित्रशास्त्र से कैसे दिखाया कि पुनरुत्थान होता है?

यीशु ने पवित्रशास्त्र का हवाला दिया जहाँ परमेश्वर कहते हैं कि वह अब्राहम, इसहाक और याकूब के परमेश्वर हैं - जीवितों के परमेश्वर हैं।

मत्ती 22:36

फरीसी व्यवस्थापक ने यीशु से कौन सा प्रश्न पूछा?

व्यवस्थापक ने यीशु से पूछा कि व्यवस्था में कौन सी आज्ञा सबसे बड़ी है।

मत्ती 22:37–38

यीशु ने सबसे बड़ी और मुख्य आज्ञा क्या बताई?

यीशु ने कहा कि अपने प्रभु परमेश्वर से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम करना सबसे बड़ी और मुख्य आज्ञा है।

मत्ती 22:39

यीशु ने कहा कि दूसरी कौन सी आज्ञा थी?

यीशु ने कहा कि अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना दूसरी आज्ञा है।

मत्ती 22:42

यीशु ने फरीसियों से क्या प्रश्न पूछा?

यीशु ने उनसे पूछा कि मसीह किसकी सन्तान हैं।

मत्ती 22:42 (#2)

फरीसियों ने यीशु को क्या उत्तर दिया?

फरीसियों ने कहा कि मसीह दाऊद के पुत्र हैं।

मत्ती 22:45

फिर यीशु ने फरीसियों से कौन सा दूसरा प्रश्न पूछा?

यीशु ने उनसे फिर पूछा कि दाऊद अपने पुत्र मसीह को प्रभु कैसे कह सकता है।

मत्ती 22:46

फरीसियों ने यीशु को क्या उत्तर दिया?

फरीसियों ने यीशु को उत्तर में एक बात भी न कह सके।

मत्ती 23:2–3

चूँकि शास्त्री और फरीसी मूसा की गद्दी पर बैठे थे, तो यीशु ने लोगों को उनकी शिक्षा के बारे में क्या करने को कहा?

यीशु ने लोगों से कहा कि वे उन बातों को करें और उनको माने जो शास्त्रियों और फरीसियों ने मूसा की गद्दी पर बैठकर सिखायी थीं।

मत्ती 23:3

यीशु ने लोगों से यह क्यों कहा कि उन्हें शास्त्रियों और फरीसियों के कामों का अनुकरण नहीं करना चाहिए?

यीशु ने कहा कि उन्हें उनके कार्यों का अनुकरण नहीं करना चाहिए क्योंकि वे कहते तो हैं परन्तु उन्हें करते नहीं।

मत्ती 23:5

शास्त्रियों और फरीसियों ने अपने सारे काम किस उद्देश्य से किये थे?

शास्त्री और फरीसी अपने सारे काम लोगों को दिखाने के लिये करते थे।

मत्ती 23:8–10

यीशु ने किसके बारे में कहा कि वह ही हमारे एक पिता और एक स्वामी हैं?

यीशु ने कहा कि हमारे एक ही पिता वह है जो स्वर्ग में हैं, और हमारे एक ही स्वामी हैं, अर्थात मसीह।

मत्ती 23:12

जो अपने आप को बड़ा बनाता है, और जो अपने आप को छोटा बनाता है, उसके साथ परमेश्वर क्या करेंगे?

जो अपने आप को बड़ा बनाता है, परमेश्वर उसे छोटा कर देंगे, और जो अपने आप को छोटा बनाता है, उसे बड़ा कर देंगे।

मत्ती 23:13–15

यीशु ने शास्त्रियों और फरीसियों को बार-बार कौन सा नाम दिया जो उनके व्यवहार को दर्शाता है?

यीशु ने बार-बार शास्त्रियों और फरीसियों को कपटी कहा।

मत्ती 23:15

जब शास्त्री और फरीसी एक जन को अपने मत में लाए तो वह किसकी सन्तान बन गया?

जब शास्त्री और फरीसी किसी एक जन को अपने मत में लाते थे, तो वे उसे अपने से दुगना नारकीय बना देते थे।

मत्ती 23:16–17

शपथ से बंधे होने के सम्बन्ध में, यीशु ने शास्त्रियों और फरीसियों की शिक्षाओं के बारे में क्या कहा?

यीशु ने कहा कि शास्त्री और फरीसी अंधे अगुवे और अंधे मूर्ख थे।

मत्ती 23:23

यद्यपि उन्होंने अपने पोदीने, सौंफ और जीरे का दसवाँ अंश दिया था, फिर भी शास्त्री और फरीसी क्या करने में असफल रहे?

शास्त्री और फरीसी व्यवस्था की गम्भीर बातों - न्याय, दया और विश्वास को पूरा करने में असफल रहे थे।

मत्ती 23:25–26

शास्त्री और फरीसी क्या माँजने में असफल रहे थे?

शास्त्री और फरीसी अपने कटोरे को भीतर से माँजने में असफल रहे थे ताकि बाहर से भी स्वच्छ हो सकें।

मत्ती 23:28

शास्त्री और फरीसी भीतर से किससे भरे हुए थे?

शास्त्री और फरीसी कपट और अधर्म से भरे हुए थे।

मत्ती 23:29–31

शास्त्रियों और फरीसियों के पूर्वजों ने परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओं के साथ क्या किया था?

शास्त्रियों और फरीसियों के पूर्वजों ने परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओं को मार डाला था।

मत्ती 23:33

शास्त्रियों और फरीसियों को किस दण्ड का सामना करना पड़ेगा?

शास्त्रियों और फरीसियों को नरक के दण्ड का सामना करना पड़ेगा।

मत्ती 23:34

यीशु ने शास्त्रियों और फरीसियों से क्या कहा कि वे उन भविष्यद्वक्ताओं, बुद्धिमानों और शास्त्रियों के साथ क्या करेंगे जिन्हें वह उनके पास भेजेंगे?

यीशु ने कहा कि वे कुछ लोगों को मार डालेंगे और क्रूस पर चढ़ा देंगे, कुछ को कोड़े मारेंगे और कुछ को एक नगर से दूसरे नगर में खदेड़ देंगे।

मत्ती 23:35

अपने व्यवहार के परिणामस्वरूप, शास्त्रियों और फरीसियों पर क्या दोष पड़ेगा?

पृथ्वी पर बहाए गए सभी धर्मियों के लहू का दोष शास्त्रियों और फरीसियों के सिर पर पड़ेगा।

मत्ती 23:36

यीशु ने किस पीढ़ी से कहा कि ये सब बातें आ पड़ेंगी?

यीशु ने कहा कि इस पीढ़ी के साथ ये सब बातें आ पड़ेंगी।

मत्ती 23:37

यरूशलेम के बालकों के लिए यीशु की क्या इच्छा थी, और वह क्यों पूरी नहीं हुई?

यीशु यरूशलेम के बालकों को एक साथ इकट्ठा करना चाहते थे, लेकिन उन्होंने न चाहा।

मत्ती 23:38

अब यरूशलेम का घर कैसे छोड़ा दिया जाएगा?

यरूशलेम का घर अब उजाड़ छोड़ दिया जाएगा।

मत्ती 24:2

यरूशलेम के मन्दिर के विषय में यीशु ने क्या भविष्यवाणी की?

यीशु ने भविष्यवाणी की थी कि मन्दिर का एक भी पत्थर दूसरे पर नहीं छूटेगा, जो ढाया न जाएगा।

मत्ती 24:3

मन्दिर के बारे में भविष्यवाणी सुनने के बाद, चेलों ने यीशु से क्या पूछा?

चेलों ने यीशु से पूछा कि ये बातें कब होंगी, और उनके आने का तथा जगत के अन्त का क्या चिन्ह होगा?

मत्ती 24:5

यीशु ने लोगों के किस कार्य के बारे में कहा कि वह बहुतों को बहका देंगे?

यीशु ने कहा कि बहुत से लोग आएँगे और कहेंगे कि वे मसीह हैं, और बहुतों को बहका देंगे।

मत्ती 24:6–8

यीशु ने किन घटनाओं के बारे में कहा कि वे पीड़ाओं का आरम्भ होंगी?

यीशु ने कहा कि लड़ाईयाँ, अकाल और भूकम्प पीड़ाओं का आरम्भ होंगी।

मत्ती 24:9–10

यीशु ने क्या कहा कि इस समय विश्वासियों के बीच क्या घटित होगा?

यीशु ने कहा कि विश्वासियों को उनके नाम के कारण क्लेश सहना पड़ेगा और जातियों के लोग उनसे बैर रखेंगे।

मत्ती 24:13

यीशु ने कहा कि किसका उद्धार होगा?

यीशु ने कहा कि जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा, उसी का उद्धार होगा।

मत्ती 24:14

अन्त आने से पहले सुसमाचार के साथ क्या होगा?

अन्त आने से पहले राज्य का सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा।

मत्ती 24:15–16

यीशु ने विश्वासियों से क्या कहा कि जब वे पवित्रस्थान में उजाड़नेवाली घृणित वस्तु को खड़ी हुई देखें तो उन्हें क्या करना चाहिए?

यीशु ने कहा कि विश्वासियों को पहाड़ों पर भाग जाना चाहिए।

मत्ती 24:21

उन दिनों में क्लेश कितना भारी होगा?

उन दिनों में ऐसा भारी क्लेश होगा, जैसा जगत के आरम्भ से अब तक नहीं हुआ है।

मत्ती 24:24

झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता कैसे बहुतों को बहका देंगे?

झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता बड़े चिन्ह और अद्भुत काम दिखाएँगे ताकि वे बहुतों को बहका दें।

मत्ती 24:27

मनुष्य के पुत्र का आगमन कैसा दिखाई देगा?

मनुष्य के पुत्र का आगमन ऐसा दिखाई देगा जैसे बिजली पूर्व से निकलकर पश्चिम तक चमकती जाती है।

मत्ती 24:29

उन दिनों के क्लेश के बाद सूर्य, चाँद और तारों का क्या होगा?

सूर्य और चाँद अंधकारमय हो जाएँगे, और तारे आकाश से गिर पड़ेंगे।

मत्ती 24:30

जब पृथ्वी के सब कुलों के लोग मनुष्य के पुत्र को सामर्थ्य और ऐश्वर्य के साथ आते देखेंगे तो वे क्या करेंगे?

पृथ्वी के सब कुलों के लोग छाती पीटेंगे।

मत्ती 24:31

जब मनुष्य के पुत्र अपने स्वर्गदूतों को चुने हुओं को इकट्ठा करने के लिए भेजेगें तो कौन सा शब्द सुनाई देगा?

जब स्वर्गदूत चुने हुए लोगों को इकट्ठा करेंगे तो तुरही का बड़ा शब्द सुनाई देगा।

मत्ती 24:34

यीशु ने क्या कहा कि जब तक ये सब बातें पूरी न हो जाएँ, तब तक क्या नहीं होगा?

यीशु ने कहा कि जब तक ये सब बातें पूरी न हो जाएँ तब तक इस पीढ़ी का अन्त नहीं होगा।

मत्ती 24:35

यीशु ने क्या कहा कि वह टल जाएँगे, और क्या कभी न टालेंगे?

यीशु ने कहा कि स्वर्ग और पृथ्वी टल जाएँगे, परन्तु उनके शब्द कभी न टलेंगे।

मत्ती 24:36

कौन जानता है कि ये घटनाएँ कब घटित होंगी?

केवल पिता जानते हैं कि ये घटनाएँ कब घटित होंगी।

मत्ती 24:37-39

मनुष्य के पुत्र का आगमन जल-प्रलय से पहले नूह के दिनों के समान कैसे होगा?

लोग खाते-पीते रहेंगे, विवाह-शादी करेंगे, और उन्हें आने वाले न्याय के बारे में कुछ भी पता नहीं होगा जो उन्हें ले जाएगा।

मत्ती 24:42

यीशु ने अपने विश्वासियों से कहा कि उनके आगमन के सम्बन्ध में उन्हें कैसा आचरण अपनाना चाहिए, और क्यों?

यीशु ने कहा कि उनके विश्वासियों को हमेशा जागते रहना चाहिए, क्योंकि वे नहीं जानते कि प्रभु किस दिन आएँगे।

मत्ती 24:45-46

जब स्वामी घर से बाहर होता है तो एक विश्वासयोग्य और बुद्धिमान दास क्या करता है?

जब स्वामी घर से बाहर होता है तब एक विश्वासयोग्य और बुद्धिमान दास स्वामी के घर का ध्यान रखता है।

मत्ती 24:47

जब स्वामी अपने विश्वासयोग्य और बुद्धिमान दास के पास लौटता है तो वह उसके लिए क्या करता है?

जब वह लौटता है, तो स्वामी अपने विश्वासयोग्य और बुद्धिमान दास को अपनी सारी सम्पत्ति पर अधिकारी ठहराता है।

मत्ती 24:48-49

जब स्वामी दूर होता है तो दुष्ट दास क्या करता है?

जब स्वामी घर से बाहर होता है तब एक दुष्ट दास अपने साथी दासों को मारता-पीटता है और पियक्कड़ों के साथ खाता-पीता है।

मत्ती 24:51

जब स्वामी वापस लौटता है तो उस दुष्ट दास के साथ क्या करता है?

जब वह वापस लौटता है, तो स्वामी उस दुष्ट दास को कठोर दण्ड देता है और उसे वहाँ भेज देता है जहाँ रोना और दाँत पीसना होता है।

मत्ती 25:3

मूर्ख कुँवारियाँ जब दूल्हे से मिलने गयीं तो उन्होंने क्या नहीं किया?

मूर्ख कुंवारियों ने अपनी मशालों के साथ तेल नहीं लिया।

मत्ती 25:4

जब समझदार कुँवारियाँ दूल्हे से मिलने गयीं तो उन्होंने क्या किया?

समझदार कुँवारियाँ ने अपनी मशालों के साथ अपनी कुप्पियों में तेल भी भर लिया।

मत्ती 25:5–6

दूल्हा कब आया और क्या यही अपेक्षित समय था?

दूल्हा आधी रात को आया, जो अपेक्षित समय से देर थी।

मत्ती 25:10

जब दूल्हा आया तो समझदार कुँवारियों का क्या हुआ?

समझदार कुँवारियाँ दूल्हे के साथ विवाह के घर में चलीं गई।

मत्ती 25:10–12

जब दूल्हा आया तो मूर्ख कुँवारियों का क्या हुआ?

मूर्ख कुँवारियाँ तेल खरीदने चलीं गई, और जब वे लौटीं तो विवाह के घर का द्वार उनके लिए बन्द हो गया था।

मत्ती 25:13

यीशु ने क्या कहा कि वह क्या चाहते हैं कि विश्वासी लोग कुँवारियों के दृष्टान्त से सीखें?

यीशु ने कहा कि विश्वासियों को जागते रहना चाहिए, क्योंकि वे न तो उस दिन को जानते हैं और न ही उस समय को।

मत्ती 25:16–17

जब उनके स्वामी यात्रा पर गए तो उनके दासों ने, जिनके पास पाँच और दो तोड़े थे, अपनी तोड़ों का क्या किया?

जिस दास के पास पाँच तोड़े थे, उसने पाँच तोड़े और कमाए, और जिसके पास दो तोड़े थे, उसने दो और कमाए।

मत्ती 25:18

एक तोड़ा रखने वाले दास ने अपने स्वामी के यात्रा पर जाने पर उस तोड़े का क्या किया?

एक तोड़े वाले दास ने मिट्टी खोदी और अपने स्वामी का धन छिपा दिया।

मत्ती 25:19

स्वामी कितने समय के लिए यात्रा पर था?

स्वामी बहुत दिनों के लिये यात्रा पर था।

मत्ती 25:20–21

जब स्वामी वापस लौटा, तो उसने उन सेवकों के लिए क्या किया जिन्हें पाँच और दो तोड़े दिए गए थे?

स्वामी ने कहा, "धन्य हे अच्छे और विश्वासयोग्य दास!" और उन्हें बहुत वस्तुओं का अधिकारी बना दिया।

मत्ती 25:26–30

जब वह वापस लौटा, तो स्वामी ने उस दास के साथ क्या किया जिसे एक तोड़ा दिया गया था?

स्वामी ने कहा, "हे दुष्ट और आलसी दास," और उससे वह एक तोड़ा ले लिया, फिर उसे बाहर के अंधेरे में डाल दिया।

मत्ती 25:31–32

जब मनुष्य के पुत्र आएँगे और अपने महिमा के सिंहासन पर बैठेंगे तो वह क्या करेंगे?

मनुष्य के पुत्र सब जातियों को इकट्ठा करेंगे और लोगों को एक दूसरे से अलग करेंगे।

मत्ती 25:34

राजा के दाहिनी ओर बैठनेवालों को क्या मिलेगा?

जो लोग राजा के दाहिने हाथ पर हैं, वे उस राज्य के अधिकारी होते हैं जो उनके लिए जगत के आदि से तैयार किया हुआ है।

मत्ती 25:35–36

राजा के दाहिने हाथ पर बैठे लोगों ने अपने जीवन में क्या किया?

राजा के दाहिने हाथ पर बैठे हुए लोगों ने भूखों को खाने को दिया, प्यासों को पानी पिलाया, परदेशियों को अपने घर में ठहराया, नंगों को कपड़े पहनाए, बीमारों की सुधि ली, और बंदियों से मिलने आए।

मत्ती 25:41

राजा की बाईं ओर वालों को क्या मिलेगा?

राजा की बाईं ओर वालों को शैतान और उसके दूतों के लिए तैयार की गई अनन्त आग प्राप्त होती है।

मत्ती 25:42–43

राजा के बाईं ओर वालों ने अपने जीवन में क्या नहीं किया?

राजा के बाईं हाथ पर जो लोग थे, उन्होंने भूखों को खाना नहीं दिया, प्यासों को पानी नहीं पिलाया, परदेशियों को घर में नहीं ठहराया, नंगों को कपड़े नहीं पहनाया, बीमारों की सुधि नहीं ली, या बंदियों से मिलने नहीं आए।

मत्ती 26:2

यीशु ने कहा कि दो दिन बाद कौन सा यहूदी पर्व आने वाला है?

यीशु ने कहा कि फसह का पर्व दो दिन बाद आने वाला है।

मत्ती 26:4

प्रधान याजक और पुरनिए महायाजक के महल में क्या विचार कर रहे थे?

वे यीशु को छल से पकड़कर उन्हें मार डालने का विचार बना रहे थे।

मत्ती 26:5

प्रधान याजक और पुरनिए किस बात से डरते थे?

उन्हें यह डर था कि यदि उन्होंने पर्व के समय यीशु को मार डाला, तो लोग दंगा मचा सकते हैं।

मत्ती 26:6–9

जब उस स्त्री ने यीशु के सिर पर बहुमूल्य इत्र उण्डेल दिया तो चेलों की क्या प्रतिक्रिया थी?

चेले झुँझला उठे और उन्होंने जानना चाहा कि इत्र को क्यों नहीं बेचा गया और उसका पैसा गरीबों को क्यों नहीं बाँटा गया।

मत्ती 26:12

यीशु ने क्या बताया कि उस स्त्री ने उन पर इत्र क्यों उण्डेला था?

यीशु ने कहा कि उस स्त्री ने उनके गाड़े जाने के लिये उनके ऊपर इत्र उण्डेला था।

मत्ती 26:14–15

यीशु को प्रधान याजकों के हाथों में सौंपने के लिए यहूदा इस्करियोती को क्या भुगतान किया गया था?

यीशु को प्रधान याजकों के हाथों में पकड़वाने के लिए यहूदा को तीस चाँदी के सिक्के दिए गए थे।

मत्ती 26:21

साँझ के भोजन के समय यीशु ने अपने एक चेले के बारे में क्या कहा?

यीशु ने कहा कि उनके चेलों में से एक उन्हें पकड़वाएगा।

मत्ती 26:24

यीशु ने उस मनुष्य के भविष्य के बारे में क्या कहा जो उन्हें पकड़वाएगा?

यीशु ने कहा कि जो मनुष्य उन्हें पकड़वाएगा, उसके लिए यह भला होता कि वह कभी जन्म ही न लेता।

मत्ती 26:25

जब यहूदा ने यीशु से पूछा कि क्या वह यीशु को धोखा देगा, तो यीशु ने क्या उत्तर दिया?

यीशु ने उत्तर दिया, "तू कह चुका।"

मत्ती 26:26

जब यीशु ने रोटी ली, उस पर आशीष माँगी, तोड़ी और चेलों को दी तब उन्होंने क्या कहा?

यीशु ने कहा, "लो, खाओ; यह मेरी देह है।"

मत्ती 26:28

यीशु ने उस कटोरे के बारे में क्या कहा जो उन्होंने चेलों को दिया था?

यीशु ने कहा कि यह कटोरा उनकी वाचा का वह लहू है, जो बहुतों के पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है।

मत्ती 26:30–31

जैतून पहाड़ पर यीशु ने अपने चेलों से क्या कहा कि वे सब उस रात क्या करेंगे?

यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वे सब उस रात उनके विषय में ठोकर खाएँगे।

मत्ती 26:33–34

जब पतरस ने कहा कि वह कभी ठोकर नहीं खाएगा, तो यीशु ने उससे क्या कहा कि वह उस रात क्या करेगा?

यीशु ने कहा कि पतरस उस रात मुर्गे के बाँग देने से पहले तीन बार उनसे मुकर जाएगा।

मत्ती 26:37–38

यीशु ने प्रार्थना करते समय पतरस और जब्दी के दोनों पुत्रों से क्या करने को कहा?

यीशु ने उनसे कहा कि वे वहीं ठहरे रहें और उनके साथ जागते रहें।

मत्ती 26:39

यीशु ने अपनी प्रार्थना में पिता से क्या प्रार्थना करी?

यीशु ने प्रार्थना करी कि यदि हो सके, तो यह कटोरा उनसे टल जाए।

मत्ती 26:40

जब यीशु प्रार्थना करके लौटे तो चेले क्या कर रहे थे?

जब यीशु प्रार्थना करके लौटे, तो चेले सो रहे थे।

मत्ती 26:42

यीशु ने क्या प्रार्थना की, चाहे यीशु की अपनी कुछ भी इच्छा क्यों न हो?

यीशु ने प्रार्थना करी कि पिता की इच्छा पूरी हो, चाहे उनकी अपनी कुछ भी इच्छा क्यों न हो।

मत्ती 26:42–44

यीशु कितनी बार अपने चेलों को छोड़कर प्रार्थना करने गए थे?

यीशु तीन बार चेलों को छोड़कर प्रार्थना करने के लिए गए थे।

मत्ती 26:47–48

यहूदा ने भीड़ को क्या चिन्ह दिखाया जिससे पता चल सके कि यीशु ही वह व्यक्ति है जिन्हें पकड़ना है?

यहूदा ने भीड़ को यह संकेत देने के लिए यीशु को चूमा कि यीशु ही वह व्यक्ति है जिन्हें पकड़ना है।

मत्ती 26:51

जब यीशु को पकड़ लिया गया तो उनके एक चेले ने क्या किया?

यीशु के एक चेले ने अपनी तलवार खिंच ली और महायाजक के दास का कान काट दिया।

मत्ती 26:53

यीशु ने कहा कि अगर वह अपनी रक्षा करना चाहे तो वह क्या कर सकते हैं?

यीशु ने कहा कि वह पिता से विनती कर सकते हैं, जो स्वर्गदूतों के बारह सैन्य-दल भेज देंगे।

मत्ती 26:54

यीशु ने क्या कहा कि इन घटनाओं से क्या पूरा हो रहा था?

यीशु ने कहा कि इन घटनाओं के माध्यम से पवित्रशास्त्र की बातें पूरी हो रही थीं।

मत्ती 26:56

तब सब चेलों ने क्या किया?

तब सब चेले उन्हें छोड़कर भाग गए।

मत्ती 26:59

यीशु को मार डालने के लिए प्रधान याजक और सारी महासभा क्या खोज रहे थे?

वे यीशु को मार डालने के लिए उनके विरुद्ध झूठी गवाही की खोज में थे।

मत्ती 26:63

महायाजक ने जीविते परमेश्वर की ओर से यीशु को क्या आज्ञा दी?

महायाजक ने यीशु को आदेश दिया कि वह उसे बताए कि वह मसीह, परमेश्वर के पुत्र हैं या नहीं।

मत्ती 26:64

महायाजक की आज्ञा पर यीशु की क्या प्रतिक्रिया थी?

यीशु ने कहा, "तूने आप ही कह दिया"।

मत्ती 26:64 (#2)

यीशु ने क्या कहा कि महायाजक क्या देखेगा?

यीशु ने कहा कि महायाजक मनुष्य के पुत्र को सर्वशक्तिमान के दाहिनी ओर बैठे और आकाश के बादलों पर आते देखेंगे।

मत्ती 26:65

तब महायाजक ने यीशु पर क्या आरोप लगाया?

महायाजक ने यीशु पर परमेश्वर की निन्दा का आरोप लगाया।

मत्ती 26:67

यीशु पर आरोप लगाने के बाद उन्होंने उनके साथ क्या किया?

उन्होंने यीशु के मुँह पर थूका, उन्हें घूँसे मारे, और उन्हें थप्पड़ भी मारे।

मत्ती 26:73-75

जब किसी ने पतरस से तीन बार पूछा कि क्या वह यीशु के साथ है, तो उसने क्या उत्तर दिया?

पतरस ने उत्तर दिया कि वह यीशु को नहीं जानता।

मत्ती 26:74

जैसे ही पतरस ने तीसरी बार उत्तर दिया, क्या हुआ?

जैसे ही पतरस ने तीसरी बार उत्तर दिया, एक मुर्गे ने बाँग दी।

मत्ती 26:75

अपने तीसरे उत्तर के बाद पतरस को क्या स्मरण आया?

पतरस को स्मरण आया कि यीशु ने कहा था कि मुर्गे के बाँग देने से पहले, वह यीशु का तीन बार इन्कार करेगा।

मत्ती 27:2

भोर होते ही प्रधान याजक और लोगों के प्राचीन यीशु को कहाँ ले गए?

भोर होते ही वे उन्हें पिलातुस राज्यपाल के पास ले गए।

मत्ती 27:3-5

जब यहूदा इस्करियोती ने देखा कि यीशु को दोषी ठहराया गया है तो उसने क्या किया?

यहूदा ने निर्दोष को मृत्यु के लिये पकड़वाने के लिये पश्चाताप किया, चाँदी के सिक्कों को वापस कर दिया, और जाकर अपने आपको फांसी लगा ली।

मत्ती 27:6–7

प्रधान याजकों ने तीस चाँदी के सिक्कों का क्या किया?

उन्होंने परदेशियों के गाड़ने के लिये कुम्हार का खेत मोल ले लिया।

मत्ती 27:9–10

इन घटनाओं से किसकी भविष्यवाणी पूरी हुई?

इन घटनाओं ने यिर्मयाह की भविष्यवाणी को पूरा किया।

मत्ती 27:11

पिलातुस ने यीशु से क्या सवाल पूछा और यीशु ने क्या जवाब दिया?

पिलातुस ने यीशु से पूछा कि क्या वह यहूदियों के राजा हैं, और यीशु ने उत्तर दिया, "तू आप ही कह रहा है"।

मत्ती 27:12–14

यीशु ने प्रधान याजकों और पुरनियों के सभी आरोपों का क्या उत्तर दिया?

यीशु ने कुछ भी उत्तर नहीं दिया।

मत्ती 27:15–16

फसह के पर्व की रीति के अनुसार पिलातुस यीशु के लिए क्या करना चाहता था?

पिलातुस पर्व की रीति के अनुसार यीशु को छोड़ देना चाहता था।

मत्ती 27:19

जब पिलातुस न्याय की गद्दी पर बैठा था, तो उसकी पत्नी ने उसे क्या संदेश भेजा?

उसने पिलातुस से कहा कि उस धर्मी के मामले में हाथ न डालना।

मत्ती 27:20

पर्व की रीति के अनुसार यीशु को नहीं, बल्कि बरअब्बा को क्यों छोड़ दिया गया?

प्रधान याजकों और प्राचीनों ने लोगों को यीशु के स्थान पर बरअब्बा को छोड़ देने की मांग करने के लिए उभारा।

मत्ती 27:22

लोग चिल्ला-चिल्लाकर क्या कह रहे थे कि यीशु के साथ क्या होना चाहिए?

लोग चिल्ला-चिल्लाकर कह रहे थे कि वे चाहते हैं कि यीशु को क्रूस पर चढ़ाया जाए।

मत्ती 27:24

जब पिलातुस ने देखा कि उपद्रव शुरू हो रहा है तो उसने क्या किया?

पिलातुस ने अपने हाथ धोए, और कहा कि वह इस निर्दोष व्यक्ति के लहू से निर्दोष है, और यीशु को भीड़ के हवाले कर दिया।

मत्ती 27:25

जब पिलातुस ने यीशु को लोगों के हवाले किया तो उन्होंने क्या कहा?

लोगों ने कहा, "इसका लहू हम पर और हमारी सन्तान पर हो।"

मत्ती 27:27–29

राज्यपाल के सिपाहियों ने यीशु को क्या पहनाया?

सिपाहियों ने उन्हें लाल चोगा पहनाया और उनके सिर पर काँटों का मुकुट रखा।

मत्ती 27:32

कुरेनी शमौन को क्या करने के लिए मजबूर किया गया?

शमौन को यीशु का क्रूस उठाने के लिए मजबूर किया गया।

मत्ती 27:33

वे यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिये कहाँ गये थे?

वे गुलगुता गए थे, जिसका अर्थ "खोपड़ी का स्थान" है।

मत्ती 27:35–36

यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के बाद सिपाहियों ने क्या किया?

सिपाहियों ने यीशु के कपड़े बाँटने के लिए चिट्ठियाँ डालीं और फिर बैठकर उनका पहरा देने लगे।

मत्ती 27:37

उन्होंने यीशु के सिर के ऊपर क्या लिखा था?

उन्होंने लिखा, "यह यहूदियों का राजा यीशु है"।

मत्ती 27:38

यीशु के साथ क्रूस पर कौन चढ़ाया गया था?

यीशु के साथ दो डाकू क्रूस पर चढ़ाए गए, एक उनके दाहिने ओर और एक बाएँ ओर।

मत्ती 27:42

भीड़, प्रधान याजकों, शास्त्रियों और पुरनियों ने यीशु को क्या करने के लिए चुनौती दी?

उन सबने यीशु को चुनौती दी कि वह अपने आपको बचा लें और क्रूस पर से उतर आएं।

मत्ती 27:45

दोपहर से लेकर तीसरे पहर तक क्या हुआ?

दोपहर से लेकर तीसरे पहर तक सारे देश में अंधेरा छाया रहा।

मत्ती 27:46

तीसरे पहर के निकट यीशु ने पुकारकर क्या शब्द कहे?

यीशु ने पुकारकर कहा, "हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया?"

मत्ती 27:50

यीशु के फिर से बड़े शब्द से चिल्लाने के बाद क्या हुआ?

यीशु ने अपने प्राण छोड़ दिए।

मत्ती 27:51

यीशु की मृत्यु के बाद मन्दिर में क्या हुआ?

यीशु की मृत्यु के बाद मन्दिर का परदा ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया।

मत्ती 27:52–53

यीशु के मृत्यु के बाद कब्रों पर क्या हुआ?

यीशु की मृत्यु के बाद, सोए हुए पवित्र लोगों के बहुत शव जी उठे और बहुतों को दिखाई दिए।

मत्ती 27:54

इन सब घटनाओं को देखकर सूबेदार की गवाही क्या थी?

सूबेदार ने गवाही दी, "सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।"

मत्ती 27:57–58

क्रूस पर चढ़ाए जाने के बाद यीशु के शव का क्या हुआ?

यीशु के एक धनी चेले, यूसुफ ने पिलातुस से शव माँगा, उसे सन के कपड़े में लपेटा, और अपनी नई कब्र में रख दिया।

मत्ती 27:60

जिस कब्र में यीशु का शरीर रखा गया था, उसके द्वार पर क्या रखा गया था?

जिस कब्र में यीशु का शव रखा गया था, उसके द्वार पर एक बड़ा पत्थर रखा गया था।

मत्ती 27:62–64

अगले दिन प्रधान याजक और फरीसी पिलातुस के पास क्यों इकट्ठा हुए?

प्रधान याजक और फरीसी यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि यीशु की कब्र सुरक्षित रहे ताकि कोई भी उनकी देह को चुरा न ले जाएँ।

मत्ती 27:65–66

पिलातुस ने उन्हें कब्र पर क्या करने की अनुमति दी?

पिलातुस ने उन्हें पत्थर पर मुहर लगाकर और कब्र पर पहरेदार रखने की अनुमति दे दी।

मत्ती 28:1

मरियम मगदलीनी और दूसरी मरियम किस दिन और किस समय यीशु की कब्र पर गयीं?

सप्ताह के पहले दिन पौ फटते ही वे यीशु की कब्र पर गई।

मत्ती 28:2

यीशु की कब्र से पत्थर कैसे हटाया गया?

परमेश्वर का एक दूत स्वर्ग से उतरा और उसने पत्थर को लुढ़का दिया।

मत्ती 28:4

जब पहरेदारों ने स्वर्गदूत को देखा तो उन्होंने क्या किया?

जब पहरेदारों ने स्वर्गदूत को देखा तो वे भय से काँप उठे और मृतक समान हो गए।

मत्ती 28:5–7

स्वर्गदूत ने यीशु के बारे में उन दो स्त्रियों से क्या कहा?

स्वर्गदूत ने कहा कि यीशु जी उठे हैं और उनसे पहले गलील जा रहे हैं।

मत्ती 28:8–9

चेलों को बताने जा रही इन दो स्त्रियों के साथ क्या हुआ?

स्त्रियाँ यीशु से मिलीं और उन्होंने उनके पाँव पकड़कर उनको दण्डवत् किया।

मत्ती 28:11–13

जब पहरेदारों ने प्रधान याजकों को बताया कि कब्र पर क्या हुआ था, तो प्रधान याजकों ने क्या किया?

प्रधान याजकों ने सिपाहियों को बहुत चाँदी देकर कहा कि वे कहें कि यीशु के चेलों ने देह को चुरा ले गए।

मत्ती 28:17

जब चेलों ने यीशु को गलील में देखा तो उन्होंने क्या किया?

चेलों ने यीशु को प्रणाम किया, पर किसी किसी ने सन्देह किया।

मत्ती 28:18

यीशु ने कहा कि उन्हें कौन सा अधिकार दिया गया था?

यीशु ने कहा कि स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार उन्हें दिया गया है।

मत्ती 28:19

यीशु ने अपने चेलों को क्या करने की आज्ञा दी?

यीशु ने अपने चेलों को आदेश दिया कि वे जाकर चेले बनाएं और उन्हें बपतिस्मा दें।

मत्ती 28:19 (#2)

यीशु ने अपने चेलों को किस नाम से बपतिस्मा देने को कहा?

यीशु ने अपने चेलों से कहा कि वे पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दें।

मत्ती 28:20

यीशु ने अपने चेलों को क्या सिखाने की आज्ञा दी?

यीशु ने अपने चेलों को आज्ञा दी कि वे सब जातियों को उन सभी बातों को मानना सिखाएँ जो उन्होंने आज्ञा दी थीं।

मत्ती 28:20 (#2)

यीशु ने अपने चेलों से कौन-सी अन्तिम प्रतिज्ञा करी?

यीशु ने प्रतिज्ञा करी कि वह जगत के अन्त तक उनके साथ सदैव रहेंगे।